

महिला आरक्षण बिल 2024 या 2029 में, कब से लागू होगा, क्या है सरकार की योजना



19 सितंबर 2023
27 साल से लटक महिला आरक्षण बिल को संसद के विशेष सत्र में पास किया जा सकता है। द टाइम्स ऑफ इंडिया समेत दिल्ली से छपने वाले कई अखबारों ने इसे पहले पन्ने की खबर बनाया है।

द टाइम्स ऑफ इंडिया की खबर के मुताबिक, केंद्र सरकार मंगलवार को महिला आरक्षण बिल लोकसभा में पेश कर सकती है।

इस बिल के पास हो जाने से संसद और विधानसभा में एक तिहाई सीटों पर महिलाओं के लिए आरक्षण रहेगा।

अखबार लिखता है कि इस बिल को मोदी कैबिनेट की मंजूरी सोमवार को मिल गई है। संसद के विशेष सत्र में इस बिल को दोनों सदनों में पास करवाया जाएगा।

हालांकि सरकार की ओर से इस बारे में आधिकारिक तौर पर कोई बयान नहीं आया है।

सोमवार रात केंद्रीय राज्य मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि कैबिनेट ने महिला आरक्षण बिल को मंजूरी दे दी है। लेकिन थोड़ी देर बाद ही उन्होंने अपना ट्वीट डिलीट कर दिया।

द टाइम्स ऑफ इंडिया ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि ये महिला आरक्षण 2024 से नहीं, 2029 के चुनावों से लागू होगा।

महिला आरक्षण बिल सबसे पहले 1996 में पेश किया गया था। साल 2010 में राज्यसभा ने इसे पास भी कर दिया था लेकिन लोकसभा में ये बिल पास नहीं हो पाया था।

पीएम मोदी ने सोमवार को पुरानी संसद के विदाई भाषण में कहा था कि विशेष सत्र में ऐतिहासिक फैसले लिए जाएंगे।

अखबार लिखता है कि इस बिल पर बुधवार को बस की जाएगी। सरकार को उम्मीद है कि वो राज्यसभा में इसे संसद के विशेष सत्र के अंतिम दिन शुक्रवार को पास करवा लेगी।

महिला आरक्षण बिल को पास करवाए जाने की लंबे वक्त से मांग होती रही है।

कुछ दिन पहले ही कांग्रेस कार्य समिति ने मोदी सरकार से संसद के विशेष सत्र में इस बिल को पास करवाए जाने की मांग की थी।

जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर लिखा था, "कांग्रेस पार्टी पिछले नौ साल से मांग कर रही है कि महिला आरक्षण विधेयक, जो पहले ही राज्यसभा से पारित हो चुका है, उसे लोकसभा से भी पारित कराया जाना चाहिए।"

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने लिखा, "आज पंचायतों और नगर पालिकाओं में 15 लाख से अधिक निर्वाचित महिला प्रतिनिधि हैं। यह 40 फ्रीसदी के आसपास है। महिलाओं के लिए संसद और राज्यों की विधानसभाओं में एक तिहाई आरक्षण के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह संविधान संशोधन विधेयक लाए। विधेयक 9 मार्च 2010 को राज्यसभा में पारित हुआ लेकिन लोकसभा में नहीं ले जाया जा सका।"

महिला आरक्षण बिल क्या है और अब तक क्या-क्या हुआ?

19 सितंबर 2023

आखिर क्यों पास नहीं हो पा रहा महिला आरक्षण बिल ?

2 फरवरी 2019

नगालैंड में महिला आरक्षण पर बवाल

7 फरवरी 2017

महिलाओं का प्रतिनिधित्व: कुछ तथ्य

543 सीटों वाली लोकसभा में फिलहाल सिर्फ 78 महिला सांसद

238 सीटों वाली राज्यसभा में सिर्फ 31 महिला सांसद

छत्तीसगढ़ विधानसभा में महिला विधायकों की संख्या 14 फ्रीसदी

पश्चिम बंगाल विधानसभा में महिला विधायकों की संख्या 13.7 फ्रीसदी

झारखंड विधानसभा में महिला विधायकों की संख्या 12.4 फ्रीसदी

बिहार, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और दिल्ली विधानसभा में महिला विधायकों की संख्या 10-12 फ्रीसदी

आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, गोवा, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, मेघालय, ओडिशा, सिक्किम, तमिलनाडु, तेलंगाना, त्रिपुरा में महिला विधायकों की संख्या 10 फ्रीसदी से कम

अब महिला आरक्षण विधेयक पर क्यों चुप है बीजेपी ?

22 सितंबर 2017

महिलाओं के लिए लड़ने वाले संगठन के 50 साल

10 सितंबर 2017

आरक्षण से असल ताकत मिल पाएगी महिलाओं को ?

17 फरवरी 2017

महिला आरक्षण बिल का इतिहास ?

1975 में जब इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री थीं, तब 'ट्रुवर्ल्स इक्वैलिटी' नाम की एक रिपोर्ट आई थी। इस रिपोर्ट में हर क्षेत्र में महिलाओं की स्थिति का विवरण दिया गया था और आरक्षण पर भी बात की गई थी।

रिपोर्ट तैयार करने वाली कमेटी में अधिकतर सदस्य आरक्षण के खिलाफ थे। वहीं महिलाएं चाहती थीं कि वो आरक्षण के रास्ते से नहीं बल्कि अपने बलबूते राजनीति में आएँ।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने 1980 के दशक में पंचायत और स्थानीय निकाय चुनाव में महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण दिलाने के लिए विधेयक पारित करने की कोशिश की थी, लेकिन राज्य की विधानसभाओं ने इसका विरोध किया था। उनका कहना था कि इससे उनकी शक्तियों में कमी आएगी।

महिला आरक्षण विधेयक को एचडी देवेगौड़ा की सरकार ने पहली बार 12 सितंबर 1996 को पेश करने की कोशिश की थी।

इस गठबंधन सरकार को कांग्रेस बाहर से समर्थन दे रही थी। मुलायम सिंह यादव और लालू प्रसाद इस सरकार के दो मुख्य स्तंभ थे, जो महिला आरक्षण के विरोधी थे।

जून 1997 में एक बार फिर इस विधेयक को पास कराने का प्रयास हुआ। उस वक्त शरद यादव ने इस विधेयक की निंदा करते हुए एक विवादस्पद टिप्पणी की थी।

उन्होंने कहा था, "परकटी महिलाएं हमारी महिलाओं के बारे में क्या समझेंगी और वो क्या सोचेंगी।"

साल 1998 में 12वीं लोकसभा में अटल बिहारी वाजपेयी की एनडीए की सरकार में तत्कालीन कानून मंत्री एन थंबीदुरई ने इस विधेयक को पेश करने की कोशिश की। पर सफलता नहीं मिली।

इसके बाद एनडीए की सरकार ने दोबारा 13वीं लोकसभा में 1999 में इस विधेयक को पेश करने की कोशिश की।

साल 2003 में एनडीए सरकार ने फिर कोशिश की लेकिन प्रश्नकाल में ही सांसदों ने खूब हंगामा किया कि वे इस विधेयक को पारित नहीं होने देंगे।

2010 में राज्यसभा में यह विधेयक पारित हुआ। लेकिन ये लोकसभा में तब पास नहीं हो सका था।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 2019 चुनावों से पहले वादा किया था कि अगर उनकी सरकार बनी तो वो सबसे पहले महिला आरक्षण बिल को पास करेंगे।

ये इलाका महिलाओं को क्यों चुनता है ?

21 नवंबर 2016

झाड़वर की पत्नी को बना दिया सरपंच

22 नवंबर 2016

'कालेज पास होता तो हम रोज जाती'

21 नवंबर 2016

एएन मस्क की कंपनी स्टारलिनक से मिले जवाबों से सरकार संतुष्ट नहीं

द इकोनॉमिक टाइम्स ने पहले पन्ने पर



कारोबारी एलन मस्क की कंपनी स्टारलिनक से जुड़ी खबर को जगह दी है।

स्टारलिनक सैटेलाइट के एक बड़े नेटवर्क की मदद से इंटरनेट सेवा देता है। ये उन लोगों को ध्यान में रखकर बनाया गया है जो दूर दराज के इलाकों में रहते हैं और उन्हें तेज़ इंटरनेट की जरूरत होती है।

इन सैटेलाइट को निचली ऑर्बिट में रखा जाता है ताकि धरती से तेजी से कनेक्शन स्थापित हो सके और बेहतर स्पीड मिले।

द इकोनॉमिक टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि भारत सरकार एलन मस्क की कंपनी स्टारलिनक से मिले जवाबों से संतुष्ट नहीं है।

स्टारलिनक भारतीय बाजार में एंट्री करना चाहती है। माना जा रहा है कि कंपनी की ओर से किए गए आवेदन को इस हफ्ते मंजूरी दी जा सकती है।

सरकार ने स्टारलिनक से कहा है कि डाटा शेयरिंग, स्टोरेज और ट्रांसफर से जुड़ी जानकारीयां मुहैया करवाएं।

एलन मस्क की कंपनी की ओर से पहले भी भारत में एंट्री करने की कोशिश की गई थी।

अखबार लिखता है कि स्टारलिनक के आवेदन पर फिलहाल गृह मंत्रालय सुरक्षा की दृष्टि से विचार कर रहा है। इस हफ्ते के आखिर तक कोई बैठक हो सकती है।

एक अधिकारी ने बताया कि कंपनी के पास भारत में लाइसेंस होगा और उसे भारत में बने रहने के लिए नियमों का पालन करना होगा।

डायरेक्ट टैक्स में 23 फ्रीसदी की वृद्धि

बिजनेस स्टैंडर्ड की रिपोर्ट के मुताबिक, चालू वित्तीय वर्ष में 16 सितंबर तक डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन में करीब 23 फ्रीसदी की वृद्धि हुई है।

अब तक नेट डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन करीब 8.65 लाख करोड़ रुपये का हो गया है।

सरकार के मुहैया कराए आंकड़ों के मुताबिक, टैक्स कलेक्शन में वृद्धि कंपनियों की ओर से एडवांस टैक्स के भुगतान के चलते हुई है।

16 सितंबर तक के आंकड़ों के मुताबिक, एडवांस टैक्स करीब 21 फ्रीसदी बढ़कर 3.55 लाख करोड़ रुपये हो गया था।

पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में ये रकम 2.94

लोगों को गिरफ्तार किया है।

इन लोगों के पास अत्याधुनिक हथियार भी थे। एक अधिकारी ने बताया है कि हथियार लिए बदमाश लोगों से वसूली कर रहे थे और धमका भी रहे थे। ऐसी कई शिकायतों के बाद पुलिस ने अभियान चलाकर पांच लोगों को पकड़ा है।

3 मई के बाद से मणिपुर में हिंसा जारी है। अब तक 160 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग बेघर हो चुके हैं।

जिन पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है, उनकी गिरफ्तारी के विरोध में लोगों की भीड़ जुटी और पुलिस थाने पर हमला करने की कोशिश की।

इस दौरान आंसू गैस के गोले छोड़े गए।

मणिपुर में कुकी और मैतई समुदाय के बीच बीते चार महीने में कई हिंसक झड़पें हुई हैं।

ऐसे भी कई मामले देखने को मिले हैं, जिनमें किसी की गिरफ्तारी के बाद लोगों की भीड़ ने विरोध प्रदर्शन किया और थानों को घेराव किया।

क्या हैं इस विधेयक के प्रावधान ?

संशोधन क्या कहता है ?

विधेयक में कहा गया है कि लोकसभा, राज्यों की विधानसभाओं और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की विधानसभा में एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी।

महिला आरक्षण बिल क्या 2029 में हो जाएगा लागू ?

इसका मतलब यह हुआ कि लोकसभा की 543 सीटों में से 181 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी।

पुदुचेरी जैसे केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए सीटें आरक्षित नहीं की गई हैं।

आखिर क्यों पास नहीं हो पा रहा महिला आरक्षण बिल ?

2 फरवरी 2019

नगालैंड: 60 साल में पहली बार दो महिलाएं बनीं विधायक

3 मार्च 2023

मार्गरेट अल्वा: महिला आरक्षण बिल लाने से लेकर उपराष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी तक

18 जुलाई 2022

जाति आधारित आरक्षण और जेंडर आधारित आरक्षण

लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं में अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए सीटें आरक्षित हैं। इन आरक्षित सीटों में से एक तिहाई सीटें अब महिलाओं के लिए आरक्षित की जाएंगी।

इस समय लोकसभा की 131 सीटें एससी-एसटी के लिए आरक्षित हैं। महिला आरक्षण विधेयक के कानून बन जाने के बाद इनमें से 43 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। इन 43 सीटों को सदन में महिलाओं के लिए आरक्षित कुल सीटों के एक हिस्से के रूप में गिना जाएगा।

इसका मतलब यह हुआ कि महिलाओं के लिए आरक्षित 181 सीटों में से 138 ऐसी होंगी जिन पर किसी भी जाति की महिला को उम्मीदवार बनाया जा सकेगा यानी इन सीटों पर उम्मीदवार पुरुष नहीं हो सकते।

यह गणना लोकसभा में सीटों की वर्तमान संख्या पर की गई है। परिसीमन के बाद इसमें बदलाव आने की संभावना है।

अब महिला आरक्षण विधेयक पर क्यों चुप है बीजेपी ?

22 सितंबर 2017

मोदी सरकार वाकई मुस्लिम और ईसाई दलितों को आरक्षण देना चाहती है ?

9 अक्टूबर 2022

आखिर कब पास होगा महिला आरक्षण विधेयक ?

9 मार्च 2016

कब प्रभाव में आएगा यह कानून ?

आरक्षण के लिए दिल्ली में महिलाओं का प्रदर्शन. इमेज स्रोत, GETTY IMAGES

सबसे पहले संसद के दोनों सदनों, लोकसभा और राज्यसभा को इस विधेयक को दो-तिहाई बहुमत से पास करना होगा।

इसके बाद जनगणना के बाद परिसीमन की कवायद की जाएगी।

परिसीमन में लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों की जनसंख्या के आंकड़ों के आधार पर सीमाएं तय की जाती हैं।

पिछला देशव्यापी परिसीमन 2002 में हुआ था। इसे 2008 में लागू किया गया था।

परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के भंग होने के बाद महिला आरक्षण प्रभावी हो सकता है।

अभी ऐसा लग रहा है कि 2024 के लोक सभा चुनाव से पहले महिला आरक्षण का लागू होना संभव नहीं है। लागू हो जाने के बाद महिला आरक्षण केवल 15 साल के लिए ही वैध होगा।

पुरुषों की तुलना में महिलाएं अधिक होती हैं डिप्रेशन की शिकार, 6 तरीके से करें खुद की देखभाल, अवसाद होगा दूर

जीवन में कठिन समय में दुखी होना एक सामान्य सी प्रतिक्रिया है, जो समय के साथ दूर भी हो जाती है। लेकिन, जब बात डिप्रेशन की आती है तो यह आसानी से नहीं जाती और हम निराशा में खोते चले जाते हैं। दरअसल, एक मूड डिस्ऑर्डर है, जिसका हमारी सेहत पर गंभीर लक्षण दिखते हैं। डिप्रेशन की वजह से दैनिक जीवन भी काफी प्रभावित होता है और आपके सोचने, समझने, खाने, पीने, सोने और काम करने जैसी गतिविधियों को भी यह प्रभावित करने लगता है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ के मुताबिक, पुरुषों की तुलना में महिलाओं में डिप्रेशन के लक्षण अधिक दिखते हैं। इसकी वजह हार्मोनल बदलाव, सोशल फैक्टर या बायोलॉजिकल हो सकता है। ऐसे में हम यहां बताते हैं कि महिलाएं किस तरह डिप्रेशन से मिनटों में आराम पा सकती हैं।

डिप्रेशन दूर करने के उपाय

सुबह की सैर जरूरी

हेल्थलाइन के मुताबिक, हो सकता है कि आपको सुबह बिस्तर से उठने का मन ना करे और आप दिनभर बिस्तर में ही रहने का प्लान बनाएं लेकिन डिप्रेशन को दूर करने के लिए जरूरी है कि आप बाहर निकलें और वाक पर जाएं।

डायरी लिखें

हो सकता है कि आप कहीं खयालों में डूबी हों, लेकिन यह सोच लें और आज का दिन दोबारा लौटने वाला नहीं है। इसलिए रोज का गोल तय करें और डायरी में इसे मेशन करें।

हर दिन एक नया गोल बनाएं और उसे अचीव करने का हर संभव प्रयास करें। आपका डिप्रेशन दूर होगा।

खुद को दें चुनौती

अगर आपका डिप्रेशन आपको किसी काम को ना करने की सलाह दे रहा है तो खुद को चुनौती दें और अपने अंदर की उस आवाज के उल्टा करें। अगर मन में आए कि आज बैठे रहूं, तो उठें और कोई मुश्किल काम को अंजाम दें।

खुद को पुरस्कृत करें

अगर आप अपना केयर अच्छी तरह कर रही हैं, अपने तय कामों को सही समय पर पूरा कर रही हैं या हाल ही में आपने कुछ अचीव किया है तो खुद के प्रयास को पुरस्कृत भी करें।

रूटीन करें फॉलो

अगर डिप्रेशन के लक्षण आपके डेली रूटीन को प्रभावित कर रहे हैं तो आप अपना रूटीन बनाएं और उसे फॉलो करें। आप एक कागज पर रूटीन लिखें और इसे फ्रिज या दरवाजे पर चिपका दें।

पसंद का काम करें

उन काम को करें जो करना आपको पसंद हो। आप किसी इंस्ट्रुमेंट को बजाएं, गाना गाएं, पेंटिंग करें, हाइकिंग करें या ट्रेवल पर जाएं। उन लोगों से मिलें जिन्हें आप पसंद करते हैं। यह डिप्रेशन के नकारात्मक असर को दूर रखने में मदद करेगा।



डीयू चुनाव में 3 पर एबीवीपी 1 पर एनएसयूआई

परिवहन विशेष न्यूज

एसडी सेठी | दिल्ली यूनिवर्सिटी स्टूडेंट यूनियन के शुक्रवार को हुई वोटिंग के शनिवार को परिणाम घोषित हो गए हैं। बीजेपी समर्पित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने तीन सीटों पर जीत हांसिल कर भगवा फहरा दिया है। जबकि कांग्रेस पार्टी समर्थित एनएसयूआई को केवल एक पद वाइस प्रेसिडेंट की सीट पर कब्जे से संतोष करना पड़ा है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने अध्यक्ष, सचिव और संयुक्त सचिव पद पर बड़ी जीत दर्ज की है। वहीं नेशनल स्टूडेंट यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) को सिर्फ उपाध्यक्ष पद पर जीत मिली है। एनएसयूआई की ओर से अभि दहिया ने एबीवीपी के सुशांत धनखड़ को कडी टक्कर के बाद हरा दिया है। उल्लेखनीय है कि डैसू चुनाव तीन साल के बाद सेंट्रल पैनल के चार पदों अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, और संयुक्त सचिव के लिए हुए। दिल्ली यूनिवर्सिटी छात्र संघ चुनाव के मुख्य चुनाव अधिकारी चन्द्र शेखर ने बताया कि के 52 कॉलेजों और विभागों के छात्रों ने शुक्रवार 22 सितंबर को 42 % छात्रों ने वोट डाला था। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) आल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन (एआइएसए), स्टूडेंट फेडरेशन आफ इंडिया (एसएफ आई) और नेशनल स्टूडेंट यूनियन आफ इंडिया। (एन एसयूआई) सहित विभिन्न छात्र संघ समूहों के कुल 24 उम्मीदवार मैदान में थे। छात्र संघ में एनएसयूआई और एबीवीपी के बीच ही कड़ा मुकाबला देखने को मिला। चीफ ने बताया कि छात्र संघ चुनाव में 1.17 हजार स्टूडेंट्स ने वोट डाले जिसके लिए 52 वोटिंग सेंटर बनाए गए थे और 173 इवीएम मशीन के जरिए ये वोटिंग की गई थी। चीफ इलेक्शन आफिसर के मुताबिक तीन सीटों पर एबीवीपी ने बड़ी जीत हांसिल की है जबकि एनएसयूआई को वाइस प्रेसीडेंट की सीट मिली है। अध्यक्ष पद पर तुषार डेढा, सेक्रेट्री पद पर अपराजिता ने ज्वाइंट सेक्रेट्री पद पर सचिन बैसला और उपाध्यक्ष की पोस्ट पर एनएसयूआई के अभि दहिया ने जीत दर्ज की है। इस बार 14,569 छात्रों ने नोटा बटन का ज्यादा इस्तेमाल किया है।



iPhone 15 की देरी नहीं हुई बर्दाश्त: वीडियो में एक के बाद ग्राहक ने मारे छह घूंसे, साथी कर्मचारी बचाते रहे जान कमला नगर इलाके में आईफोन 15 की सप्लाई में देरी के आरोप में मारपीट करने वाले ग्राहक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है। यह घटना बीते दिन की बताई जा रहा है।



नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें दिल्ली के कमला नगर इलाके में एक क्रोमा सेंटर में कर्मचारियों और ग्राहक के बीच हाथापाई हो रही है। यह घटना बीते दिन की बताई जा रहा है। आईफोन 15 सीरीज की सप्लाई में देरी पर विवाद हुआ था। दिल्ली पुलिस ने कमला नगर इलाके में आईफोन 15 की सप्लाई में देरी के आरोप में मारपीट करने वाले ग्राहक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है। मोबाइल शॉप के कर्मचारियों और ग्राहक के बीच हाथापाई हुई थी। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है।

14 नवंबर से शुरू हो रहा ट्रेड फेयर, जानिए इस बार कितने का होगा टिकट ?

प्रगति मैदान में 14 नवंबर से आयोजित होने वाले ट्रेड फेयर में स्टॉल लगाने वाले बिजनेस क्लास के लोगों के लिए अच्छी खबर है। आईटीपीओ ने इस बार भी स्पेस बुकिंग दरों में बढ़ोतरी नहीं करने का फैसला किया है। कारोबारियों का ट्रेड फेयर में अधिक से अधिक हिस्सेदारी सुनिश्चित करने के लिए यह फैसला किया गया है।

नई दिल्ली। दिल्ली वालों के लिए अच्छी खबर है। 14 नवंबर से प्रगति मैदान में आयोजित होने जा रहे ट्रेड फेयर में एंट्री टिकट के दामों में इस बार भी बढ़ोतरी नहीं की जाएगी। पिछले साल टिकट का जितना दाम था, उसी दाम में इस साल भी लोग टिकट ले सकेंगे। समान्य दिनों में वयस्कों के लिए टिकट का दाम 80 जबकि वीकएंड में 150 रुपये होगा। समान्य दिनों में बच्चों का टिकट 40 का और वीकएंड में 80 रुपये का होगा।

सीनियर सिटीजन की एंट्री फ्री

आईटीपीओ अफसरों का कहना है कि जिस तरह से साल 2016 में ट्रेड फेयर का आयोजन हुआ था, मेलों की वही पुरानी र्लोरी इस बार लौट आएगी। इस बार ट्रेड फेयर का आयोजन 1.20 लाख वर्ग मीटर में किया जाएगा। इसमें से 20 हजार वर्ग मीटर ओपन स्पेस में स्टॉल लगाया जाएगा। इससे पहले इतने बड़े ओपन स्पेस परिया में कभी स्टॉल नहीं लगा था। यह 42वां ट्रेड फेयर होगा। दिल्ली-एनसीआर के अधिक से अधिक लोगों को पुरानी रौनक के साथ

फिर से दोस्त बनेंगे हाथी ! गजराज के नए घरों के लिए 7 राज्यों से समझौता करेगी केंद्र सरकार

परिवहन विशेष न्यूज

तेजी से कट रह जंगल के कारण हाथियों और इंसानों के बीच संघर्ष काफी बढ़ गया है। ऐसे में अब हाथियों के संरक्षण के लिए अब केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सरकार के अनुसार अब केंद्र उन सभी सरकारों के साथ समझौता करेगा जिनके यहां पर हाथियों की संख्या अधिक है।

नई दिल्ली। हाथी अगर इंसान का दोस्त है तो उसके साथ इंसानों का टकराव कम भी नहीं है। तेजी से बढ़ते शहरीकरण और कटते जंगलों ने जहां हाथी और इंसानों के बीच संघर्ष को काफी बढ़ा दिया है तो वहीं इंसान अपने स्वार्थ के लिए हाथियों को नुकसान पहुंचा रहा है। ऐसे में केंद्र सरकार ने हाथियों को संरक्षण प्रदान करने के लिए फैसला किया है। केंद्र सरकार उन राज्य सरकारों के साथ समझौता करेगी, जहां हाथियों की आबादी अच्छी खासी है। इसके तहत मंत्रालय राज्यों के साथ हाथी संरक्षण के आधार पर अलग-अलग समझौता करेगा। इस समझौते का मकसद देश में अपने लिए नए-नए आवास ढूंढ रहे हाथियों को न सिर्फ संरक्षित करना, बल्कि उन्हें सुरक्षा प्रदान करने के साथ-साथ हाथी और मानव संघर्ष को भी कम करना भी है। इसका एक मकसद यह भी है कि ऐसी व्यवस्था तैयार की जाए, ताकि हाथियों के आवागमन में इंसानों द्वारा तैयार अवरोध सामने ना आ सके।

गौरतलब है कि पिछले दिनों केंद्र सरकार द्वारा संसद में एक सवाल के जवाब में बताया गया था कि देश में हर साल इंसान और हाथी संघर्ष में तकरीबन 100 हाथी और लगभग 500 लोग अपनी जान गंवा रहे हैं। इसी संघर्ष को कम करने के लिए मंत्रालय ने एक तयशुदा समय सीमा के अंदर हाथी की सुरक्षा को लेकर एक योजना पर काम शुरू किया। इसके तहत केंद्र सरकार ने हाथी संरक्षण की दिशा में राज्यों को जागरूक और प्रशिक्षित करने का फैसला किया है। इसके मद्देनजर आगामी अक्टूबर माह के दूसरे हफ्ते में



हाथी मेरा साथी !

- भारत हाथियों का एक बहुत पुराना और प्राकृतिक ठिकाना रहा है

- दुनिया के 60 फीसदी एशियाई हाथी अकेले भारत में पाए जाते हैं

- 2017 में हुई गणना में भारत में हाथियों की तादाद 27,312 थी

- गजराज की सुरक्षा के लिए केंद्र सरकार ने उठाया कदम

राज्यों में हाथी अपने अलग-अलग ठिकाने बना रहे हैं। केंद्र काफी समय से सुरक्षा के प्रयास कर रहा है। बीती फरवरी में केंद्र में इसे लेकर एक मानक भी तैयार किया, जिसमें हाथियों के व्यवहार, राज्यवार हाथी संरक्षण के लिए की जाने वाली ठोस पहल, बिना रोक-टोक हाथियों के विचरण के लिए एक सुरक्षित गलियारा और हाथियों के जंगली आवासों में इंसानों की दखल को कम करना, उनकी सुरक्षा-संरक्षण जैसे बिंदु शामिल थे।

मॉनसून की विदाई के बीच लोग मौसम में बदलाव का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे।

दिन में छा गया अंधेरा, बारिश शुरू, दिल्ली-नोएडा समेत पूरे एनसीआर में बदला मौसम

दिल्ली-एनसीआर में अचानक दिन में अंधेरा छा गया। मौसम में अचानक बदलाव की वजह आसमान में काले बादल छाने की वजह से हुआ। इसके साथ ही दिल्ली, नोएडा और आसपास के इलाकों में बारिश शुरू हो गई है।

नई दिल्ली : दिल्ली-एनसीआर में मौसम अचानक बदल गया है। दिल्ली और नोएडा में दिन में ही अंधेरा छा गया। कई जगहों में बारिश शुरू हो गई है। बारिश के बाद लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिली है। नोएडा के अलावा गाजियाबाद और इंदिरापुरम में भी बारिश शुरू हो गई है। इससे पहले मौसम विभाग ने रविवार को हल्की बारिश का अनुमान जताया था। बारिश के बाद मौसम खुशनुमा हो गया।

सुबह से निकली थी धूप इससे पहले सुबह से ही धूप छिली हुई थी। लोग पिछले दो-तीन दिन से उमस से परेशान थे। मॉनसून की विदाई के बीच लोग मौसम में बदलाव का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। ऐसे में दोपहर में करीब 1 बजते ही मौसम अचानक बदल गया। इससे पहले मौसम विभाग ने अधिकतम तापमान 37 और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री रहने की संभावना जताई थी। मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली में तापमान के सामान्य से दो से तीन डिग्री अधिक रहने का अनुमान जताया गया था।

मोटो जीपी रेस पर लगा ब्रेक

गौतमबुद्ध नगर में बारिश होने की वजह से ग्रेटर नोएडा में चल रहे मोटो जीपी रेस को रोकना पड़ा। बुद्ध इंटरनैशनल सर्किट (BIC) में शुक्रवार को मोटोजीपी रेस शुरू हुई थी। दूसरे दिन भी लोग रेस के रोमांच का मजा लेने बुद्ध इंटरनैशनल सर्किट में पहुंचे थे। हालांकि, बारिश के कारण ये मजा कुछ देर के लिए किरकिरा हो गया।

●●●●●

●●●●●

●●●●●

●●●●●

●●●●●

रूपनगर इंडस्ट्रियल एरिया में पटाखा फैक्टरी में धमाका, तीन की दर्दनाक मौत; कई अन्य घायल



घटना के बाद महिला बच्चे समेत आठ लोग इस फैक्टरी में कम कर रहे थे। दिल्ली में रहने वाले किसी अज्ञात व्यक्ति की यह फैक्टरी है। दिल्ली में रहने वाले व्यक्ति ने अपनी फैक्टरी को किराये पर दी थी।

गाजियाबाद। गाजियाबाद के लोनी कोतवाली क्षेत्र के रूपनगर इंडस्ट्रियल एरिया के पास शनिवार को एक पटाखा फैक्टरी में धमाका हो गया। फैक्टरी के मलबे में दबकर कई लोग घायल हुए वहीं तीन लोगों की मौत हो गई। मौके पर बचाव दल मौजूद है, बचाव कार्य जारी है।

घटना के वक्त मकान में कई लोग थे। आसपास के लोगों का कहना है कि इस मकान के अंदर आतिशबाजी और पटाखे बनाने का काम हो रहा था। धमाके के साथ मकान गिरा है। लोगों को निकालने का काम चल रहा है। पुलिस और दमकल विभाग मौके पर पहुंचा है। रूपनगर कॉलोनी स्थित पटाखा बनाने की फैक्टरी में मेंबिश (40) पत्नी फिरोज, मेंबिश के दो बेटे इमरान (16) और फरदीन (18) काम करते थे। शाहिस्ता (35) पति शकील अपनी दो बेटियाँ अलीना (8) और अलीशा (9), गीता (27) पत्नी सोनू और नूरी (17) पुत्री फरमान इस पटाखे बनाने की फैक्टरी में काम करते हैं। घटना के बाद महिला बच्चे समेत आठ लोग इस फैक्टरी

में कम कर रहे थे। दिल्ली में रहने वाले किसी अज्ञात व्यक्ति की यह फैक्टरी है। दिल्ली में रहने वाले व्यक्ति ने अपनी फैक्टरी को किराये पर दी थी। फैक्टरी में धमाका हुआ तो सभी आठ लोग मलबे में दबकर घायल हो गए थे। एक के बाद एक सभी को रेस्क्यू कर बाहर निकल गया। सभी घायलों को दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टर ने इमरान, अलीना और अलीशा को मृत घोषित कर दिया है। इमरान के परिजन पोस्टमार्टम नहीं करना चाहते थे। वह जबरन अस्पताल से इमरान के शव को घर ले आए थे। लेकिन पुलिस ने बाद में परिजनों को समझाया और शव पोस्टमार्टम को भेजा।

स्कूल बस ने साइकिल सवार बुजुर्ग को रौंदा, छात्रों को टक्कर मार किया घायल

कौशांबी। सीमांत विहार कट पर शुक्रवार दोपहर 12 बजे वनस्थली स्कूल की बस से चालक ने साइकिल सवार 60 साल के प्रमोद कुमार को रौंदा दिया। उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। आरोपी चालक ने भागते हुए साइकिल सवार दो छात्रों को भी टक्कर मार दी। घायलों को तुरंत पास के अस्पताल ले जाया गया। एक छात्र की हालत गंभीर बनी है। पुलिस ने चालक को गिरफ्तार कर लिया है। मृतक के परिजनों को भी घटना की सूचना दी है। घटना के दौरान बस में छात्र और छात्राएं नहीं थी। वैशाली सेक्टर-2 में वनस्थली स्कूल की बस को चालक यूपी गेट से मोहननगर की तरफ ला रहा था। सेक्टर-1 मैक्स अस्पताल कट पर पहुंचते ही चालक ने लापरवाही से तेज रफ्तार में साइकिल सवार को पीछे से टक्कर मार दी। जोरदार टक्कर लगते ही बुजुर्ग प्रमोद कुमार निवासी कामना वैशाली बुरी तरह घायल हो गए। सड़क पर लहलुहान हालत में गिर गए। अस्पताल ले जाते हुए बुजुर्ग ने दम तोड़ दिया। लोगों ने बस चालक को पकड़ने की कोशिश की तो चालक ने तेजी से बस दौड़ा दी। कुछ दूरी पर चालक ने बस से साइकिल सवार छात्र हर्ष (24) और प्रदीप (20) को टक्कर मार दी। दोनों घायलों को राहगीरों ने कौशांबी के यशोदा अस्पताल में भर्ती कराया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने चालक को पकड़कर बस कब्जे में ली। यातायात पुलिस ने बस के कागजात और प्रदूषण प्रमाण पत्र जांच किए। उधर, घायल हर्ष का अस्पताल में उपचार चल रहा है जबकि प्रदीप को मामूली चोट लगने से प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी है।

भूमाफिया महबूब अली की 60 करोड़ की संपत्ति पर कुर्की

लोनी। भूमाफिया महबूब अली की मीरपुर और इलायची पुर गांव स्थित चार और संपत्ति पर शुक्रवार को पुलिस ने कुर्की की कार्रवाई की है। पुलिस ने 60 करोड़ रुपये की संपत्ति पर यह कार्रवाई की है। इससे पहले भी पुलिस ने लोनी, मोदीनगर समेत अन्य इलाकों में बनाई गई 100 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति पर कुर्की कर चुकी है। डीसीपी विवेक यादव ने बताया कि पुलिस भू माफियाओं के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है। अभियान के तहत पुलिस ने भूमाफिया महबूब अली के खिलाफ मिल रही शिकायतों के बाद कार्रवाई शुरू की थी। शुक्रवार को पुलिस ने मीरपुर गांव में दो और इलायचीपुर गांव की दो अवैध कामों से अर्जित की गई संपत्ति पर कुर्की की है। इस दौरान ढोल बजाकर मुनादी भी कराई गई है। संपत्ति पर पुलिस को बोर्ड लगा दिया है। सुरक्षा के मद्देनजर तीन थानों को पुलिस फोर्स को बुलाया गया था। महबूब अली पर 24 अलग-अलग मुकदमे दर्ज हुए हैं। महबूब अली ने कुछ दिनों पहले रामपुर में सरेंडर किया था। पुलिस अब उसका रिमांड लेगी। डीसीपी ने बताया कि मामले में और भी भू माफियाओं को चिन्हित किया जा रहा है। जल्द अन्य भू माफियाओं के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाली मां-बेटी गिरफ्तार



गाजियाबाद। वेव सिटी क्षेत्र के ही रहने वाले अनिमेश से नौकरी लगवाने के नाम पर 98 लाख रुपये की ठगी करने वाले गिरोह का वेव सिटी थाना पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने शातिर मां-बेटी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से दो मुहर, नो बार कोड, चार फर्जी नियुक्ति पत्र, एक चेक, दो आधार कार्ड, 50 हजार की नकदी समेत अन्य दस्तावेज बरामद किए हैं। गिरोह एयर इंडिया, एयरपोर्ट और विदेश में नौकरी लगवाने के नाम पर युवाओं को फंसाकर ठगी करते हैं। डीसीपी ग्रामीण विवेक यादव ने बताया कि पकड़े गई शातिर ईस्ट दिल्ली खिचड़ीपुर निवासी नेहा शर्मा और उसकी मां सुदेश देवी हैं। नेहा अनिमेश से डेढ़ साल तक ठगी करती रही। पृष्ठताछ में नेहा ने बताया कि वह नौकरी की तलाश में गुरमीत और विकास पटेल के संपर्क में आई थी। गुरमीत और विकास ने उन्हें नौकरी दे दी और बताया कि उनकी कंपनी लोगों को नौकरी दिलाने का काम करती है। उन्हें लोगों को कॉल करने का काम दिया गया। इसके बदले में उन्हें प्रति दिन के सात सौ रुपये देने की बात कही गई। नेहा ने बताया कि उन्हें दिल्ली मयूर विहार स्थित कार्यालय में नियुक्त किया गया। जहां उसका मोबाइल नंबर ऑनलाइन एड पोस्ट साइट से जोड़ दिया। इसके बाद उन्होंने एक ऑनलाइन साइट से नौकरी की तलाश करने वालों के नंबर लेकर उन्हें कॉल करके नौकरी लगवाने का झांसा देकर ठगी करना शुरू कर दिया।

पति और मां के खातों में भी मंगवाई रकम
एसीपी वेव सिटी सलोनी अग्रवाल ने बताया कि नेहा ने अपने साथ ठगी में मां सुदेश और पति हिमांशु को भी शामिल कर लिया। नेहा ने अनिमेश से ली 98 लाख की रकम मां, पति के साथ गुरमीत, विकास, अवधेश, प्रिया चौधरी समेत अन्य कई लोगों के खातों में रकम मंगवाई। नेहा ने बताया कि उसने अनिमेश से अलग-अलग नाम से बात करके नौकरी लगवाने की प्रक्रिया के नाम पर पेटीएम व अन्य खातों में रकम ली और फर्जी नियुक्ति पत्र व अन्य दस्तावेज बनाकर उसे दे दिए।

ठगी की रकम से ली महंगी कार, शादी में खर्च किए
नेहा ने पुलिस को बताया कि ठगी की रकम से ही उसके पति हिमांशु ने दो महंगी कार, एक बाइक ली। वहीं उसने अपनी शादी में भी काफी खर्चा किया। कुछ रकम उसने अपनी मां के इलाज में लगाई। उसने बताया ठगी की रकम गुरमीत, विकास व अन्य लोगों आसपास में बांट लेते हैं।

अन्य लोगों की तलाश जारी
डीसीपी ने बताया कि गिरोह में कई लोगों के शामिल होने की बात सामने आई है। सभी की लोकेशन ट्रेस कर तलाश की जा रही है।

मोटो जीपी रेस में हर रोज आएंगे 1.5 लाख दर्शक, 200 देशों में प्रसारण...

ग्रेटर नोएडा के बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में शुक्रवार से मोटो जीपी रेंसिंग की शुरुआत हो रही है। इस इवेंट में हिस्सा बनने विदेशों से करीब 10 हजार लोग पहुंच रहे हैं। इवेंट के लिए 800 रुपये से लेकर 1.80 लाख रुपये के टिकटों की बिक्री हो चुकी है। वहीं, सीएम योगी शनिवार को मोटो जीपी से जुड़ी कंपनियों और ब्रांड्स के साथ बैठक करेंगे।

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में आज से मोटो जीपी रेंसिंग की धूम मचने वाली है। बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में शुरू हो रही मोटो जीपी भारत बाइक रेस इवेंट की सारी तैयारी पूरी हो गई है। इस ग्लोबल रेंसिंग इवेंट में हर दिन करीब 1.5 लाख लोग शामिल रहेंगे। विदेशों से 10,000 लोग इस इवेंट का हिस्सा बनने बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट आ रहे हैं। 200 देशों में इस इवेंट को टेलीकास्ट किया जाएगा और 800 से लेकर 1.80 लाख रुपये तक की प्राइस रेंज में इवेंट से जुड़े टिकट्स बिक रहे हैं। कुल 20 अलग-अलग रेंसिंग इवेंट्स का आयोजन इन तीन दिनों में होगा जिसमें मेन स्पॉटिंग इवेंट के तहत फाइनल रेस 24 सितंबर को होगी। इस इवेंट की टेलीकास्टिंग को यूपी दुनिया में 45 करोड़ से अधिक व्यूअरशिप मिलेगी। इस इवेंट में हिस्सा ले रहे राईडर्स में गुरुवार को बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर ट्रेनिंग सेशन में भी हिस्सा लिया। इस इवेंट में रेडबुल, शेल, बी-विन, बीएमडब्ल्यू, ओकले, मोन्स्टर, मोटुल, टिसॉट, रेपसॉल, पोलिनी, गो प्रो, हौन्डा, मिशिनो, एमर्जॉन, डीएचएल व पेट्रोनास जैसी 275 दिग्गज कंपनियां किसी न किसी रूप में भाग ले रही हैं। इन कंपनियों के सीईओ भी इवेंट में शिरकत करने आ रहे हैं। मोटो जीपी की छवि एक ऐसे समृद्ध खेल की है, जिसे न सिर्फ बड़ी संख्या में फैंस का सपोर्ट है बल्कि दुनिया भर के बड़े ब्रांड्स भी इसे तब तक देते हैं। कुछ वर्षों में इस खेल ने होस्ट कंट्री की अर्थव्यवस्था में भी बड़ा योगदान दिया है।

छठी मंजिल से कूदकर महिला ने दी जान, मानसिक बीमारी से थीं परेशान



कौशांबी। वैशाली सेक्टर-4 की महागुन विला सोसायटी में शुक्रवार सुबह 9:30 बजे 48 साल की सायमा अहसान ने छठी मंजिल से कूद कर जान दे दी। घटना के दौरान फ्लैट में परिवार के सदस्य मौजूद थे। सोसायटी में अचानक किसी के नीचे गिरने की आवाज सुनकर लोग दौड़े। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच की। परिजनों ने मामले में शिकायत नहीं दी है। पुलिस ने बताया कि सोसायटी के टावर में अहमद सिद्दीकी परिवार के साथ रहते हैं। उनकी बेटी सायमा अहसान का दस साल पहले पति से तलाक हो गया था। वह सऊदी अरब में रहता है। पति ते अलग होने के बाद वह माता-पिता के साथ रहती थीं। सुबह नौ बजे वह नींद से उठी और किसी काम के बहाने बाहर निकल गई। परिजन घर में मौजूद थे। वह सीढ़ियों के रास्ते छठी मंजिल पर पहुंचीं और बालकनी से नीचे छलांग लगा दी। सोसायटी के सुरक्षा गार्ड तुरंत टावर के सामने दौड़े। वहां देखा कि महिला खुन से लथपथ पड़ी थी। उन्हें तुरंत पास के अस्पताल ले गए। वहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस को मौके से कोई नोट नहीं मिला है। परिजनों ने बताया कि सायमा पिछले दस साल से मानसिक तौर पर बीमार थीं। उनका एक निजी अस्पताल से उपचार चल रहा था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इंदिरापुरम एसीपी स्वतंत्र कुमार सिंह का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। घटनास्थल पर कोई नोट नहीं बरामद हुआ है। परिजनों से शिकायत मिलने पर जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

क्या आपने 'टिशू कल्चर' के जरिये मोती बनते देखा? अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में बना आकर्षण का केंद्र

उत्तर प्रदेश को एक लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था में बदलने के लक्ष्य के तहत मेला आयोजित किया गया है। प्रदर्शनी में 70 देशों से भागीदार शामिल हुए हैं। यहां दुनिया भर से लगभग 70,000 से ज्यादा खरीदारों के आने की संभावना है। मेले में करीब 2000 उत्पादनों और सेवाओं से संबंधित स्टाल लगाए गए हैं।

नोएडा: उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी में आने वाले मेहमानों के लिए एक्वा कल्चर वैज्ञानिक अजय कुमार सोनकर के स्टॉल पर जैविक रत्न माने जाने वाले 'मोती' को बनाने की प्रक्रिया को देखना एक रोचक अनुभव बन रहा है। इस प्रदर्शनी में आगंतुकों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

इस व्यापार प्रदर्शनी में पंच पुस्तकार से सम्मानित विशेष हस्तियों को राज अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। उनके लिए एक विशेष पंडाल लगाया गया है। यहां सोनकर 'टिशू कल्चर' के जरिये प्रयोगशाला के प्लास्क में समुद्री सीप से बेहद कीमती मोती बनाने की आधुनिकतम तकनीक का जीवंत प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनी में आने वाले इस स्टॉल पर लगे आधुनिक माइक्रोस्कोप के जरिये 'फ्लास्क' के अंदर सीप के उत्तक (टिशू) द्वारा मोती बनने का साक्षात अनुभव कर रहे हैं।



उत्तर प्रदेश के निवासी और वर्ष 2022 में 'पंच श्री' से सम्मानित सोनकर ने बताया कि मोती के रूप-रंग और उसकी गुणवत्ता का निर्धारण सीप की प्रजातियों पर निर्भर करता है। इस वजह से मुझे उत्तर प्रदेश से समुद्री तट वाली शांत जगह अंडमान निकोबार का रुख करना पड़ा, जहां 'पिंक टाडा मार्गरेटिफे', 'पिंक टाडा मैक्सिमा' जैसी समुद्री सीपों की

प्रजातियां उपलब्ध थीं। उन्होंने आगे बताया कि कोरोना महामारी के दौरान मुझे इलाहाबाद लौटना पड़ा और मैं 'टिशू कल्चर' तकनीक के जरिये इसी समुद्री सीप के अंग-विशेष का उपयोग कर 'फ्लास्क' के अंदर मोती विकसित करने पर काम करने लगा। यह प्रयोग सफल रहा। सोनकर ने अपने विशेष स्टॉल में अपनी प्रयोगशाला के 'माइक्रोस्कोप सेटअप' के माध्यम से

टिशू में बन रहे मोती की प्रदर्शनी लगाई है, जो पहले दिन से ही प्रदर्शनी का प्रमुख आकर्षण बन गया। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित यह अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला ग्रेटर नोएडा में 21-25 सितंबर तक चलेगा। इस व्यापार मेले के पहले संस्करण का उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को किया है।

नोएडा ट्रेड शो: श्रीडी में कृष्ण और राम की लीला देखने के लिए लगी लाइन, विदेशी बायर्स को भी लुभा रहा कार्यक्रम

ग्रेटर नोएडा में चल रहे यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के दौरान भगवान श्रीकृष्ण और भगवान राम की लीलाओं को देखने के लिए लोगों के बीच एक अलग प्रकार का उत्साह दिखा। ट्रेड शो में इसका आयोजन हो रहा है। इसके साथ ही वाराणसी और वृंदावन पर दिखाई जा रही शॉर्ट फिल्म भी खूब पसंद की जा रही है।

ग्रेटर नोएडा: उत्तर प्रदेश के नोएडा में ट्रेड शो अब रंग जमाने लगा है। इंडिया एक्सपो मार्ट सेंटर में शुरू हुए यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में पहले दिन आ रहे लोगों व विदेशी बायर्स को बड़े पदों पर श्री डी एनीमेशन में कृष्ण और रामलीला काफी लुभा रही है। सुबह से शुरू हुए शो में सबसे अधिक लोग एनिमेशन को देखने के लिए लाइन में लगाकर काफी इंतजार करते हुए दिखाई दिए हैं। तारामंडल में श्री डी एनिमेशन में प्रदेश के धार्मिक स्थलों की शॉर्ट फिल्म दिखाई जा रही है। जिसमें एनिमेशन में कृष्ण लीला और रामलीला दिखाई जा रही है। इसके अलावा प्रदेश के



धार्मिक स्थल अयोध्या, वाराणसी, मथुरा वृंदावन आदि के बारे में शॉर्ट फिल्म दिखाकर लोगों को टूरिज्म की तरफ आकर्षित किया जा रहा है। लोग लाइन लगाकर एनिमेशन में शॉर्ट फिल्म देख रहे हैं। आयोजक संदीप अग्रवाल का कहना है कि टूरिज्म में लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए मेले में एनीमेशन में शॉर्ट फिल्म दिखाने की अनुमति दी गई है। पहले दिन लोगों में काफी अच्छा रुझान दिखाई दिया।

यूपी स्वाद में स्वादिष्ट व्यंजन खाने की भीड़

इंटरनेशनल ट्रेड शो में यूपी का स्वाद नाम से स्टाल लगाया है, जिसमें 75 जिलों के स्वादिष्ट व्यंजन का स्वाद चखाने के लिए लोगों की भीड़ देखने को मिली है। स्वादिष्ट व्यंजनों में गुजरी की थाली स्टॉल भी लगाया गया है। नोएडा गुजरी की थाली चखने के लिए केवल आपको 280 खर्च करने होंगे। गुजरी की थाली में सरसो का साग, मक्के की रोटी, बाजरे की रोटी, छाछ, मलाई, सिलबट्टे से बनाई हुई चटनी और मक्खन है। कुल 91 व्यंजन खाने-पीने को मौका मिला है।

यूपी स्वाद में मुरादाबाद की चाय, मुरादाबाद की गरम मसाला चाय, मुरादाबाद की कटिंग चाय, जौनपुर की रसोई थाली, जौनपुर के चावल, जौनपुर की दाल, आगरा के स्पेशल छोटे



भट्टे, आगरा की स्पेशल पाव भाजी, आगरा का मटर कुल्चा, अलीगढ़ की पूरी सब्जी, अलीगढ़ का पराठा और नोएडा की गुजरी थाली आदि खाने का आनंद उठा सकते हैं।

यमुना प्राधिकरण, ग्रेटर नोएडा और

यूपीसीडा ने लगाया स्टॉल
ट्रेड शो में यमुना, ग्रेटर नोएडा, नोएडा और यूपीसीडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने भी अपना स्टाल लगाया था। यमुना प्राधिकरण ने अपने स्टाल पर जेवर एरिया में तैयार हो रहे

सबसे बड़े नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को दर्शाया, जिसको देखने के लिए काफी संख्या में लोगों की भीड़ दिखाई दी। साथ ही रोजगार को बढ़ाने के लिए लगाए जा रहे अपैरल पार्क के मॉडल को भी दिखाया है।



सबसे अधिक रेंज देने के लिए जानी जाती हैं ये इलेक्ट्रिक कारें

WLTP के अनुसार ये इलेक्ट्रिक मोटर्स 78 kWh बैटरी पैक से शक्ति प्राप्त करते हैं जो एक बार चार्ज करने पर 418 किमी तक की दावा की गई रेंज प्रदान करता है। Volvo XC40 Recharge महज 4.9 सेकंड में 0 से 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ सकती है।

नई दिल्ली। इस समय इंडियन मार्केट में एक से बढ़कर एक बेहतरीन गाड़ियों को लॉन्च किया गया है, जो बेहतरीन रेंज देने के लिए जानी जाती है। इस खबर के माध्यम से आपको बताने जा रहे हैं उन गाड़ियों के बारे में जो देश में सबसे अधिक रेंज देने के लिए जानी जाती हैं।

हुंडई कोना
हुंडई कोना इलेक्ट्रिक कार भी 400 से अधिक की रेंज देने के लिए जानी जाती है। साल 2019 में लॉन्च हुए हुंडई कोना की शुरुआती कीमत लगभग चौबीस लाख रुपया है। बेहतरीन लुक और डिजाइन से लैस इस गाड़ी में कई एडवांस फीचर्स के साथ सेफ्टी फीचर्स मिलते हैं। रेंज की बात करें तो ये इलेक्ट्रिक कार सिंगल चार्ज पर 452 किमी की रेंज देने में सक्षम है।

वॉल्वो XC रिचार्ज
WLTP के अनुसार ये इलेक्ट्रिक मोटर्स 78 kWh बैटरी पैक से शक्ति प्राप्त करते हैं, जो एक बार चार्ज करने पर 418 किमी तक की दावा की गई रेंज प्रदान करता है। Volvo XC40 Recharge महज 4.9 सेकंड में 0 से 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ सकती है। फास्ट चार्जर (150KW) का उपयोग करके इसकी बैटरी को लगभग 28 मिनट में 10 से 80 प्रतिशत तक चार्ज किया जा सकता है। रेंज की बात करें ये गाड़ी सिंगल चार्ज पर 418 किमी की रेंज देने में सक्षम है।

मर्सिडीज बेंज ईक्यूबी
इस लग्जरी इलेक्ट्रिक कार को केवल 500 4मैट्रिक ऑप्शन के साथ सेल करगी। ये 402 बीएचपी की पावर और 858Nm का पीक टॉर्क जनरेट करती है। ये कार एक बार सिंगल चार्ज पर केवल 521 किलोमीटर तक चल सकती है। इसमें 90.6 kWh लिथियम आयन बैटरी पैक मिलता है। जो चारों पहियों में पावर देने का काम करता है। ईक्यूएस 170kW DC फास्ट चार्जर का इस्तेमाल करती है।



ईवी चार्जिंग स्टेशन: ईवीगो को प्रेस्टिज ग्रुप और गोयल गंगा से आर्डर, जानिए किस क्षेत्र से जुड़ा है

दक्षिण भारत का शहर बेंगलुरु ई व्हीकल को अपनाने में काफी आगे है। तभी तो वहां की हाउसिंग सोसाइटीज में ईवी चार्जिंग स्टेशनों का इंस्टालेशन बढ़ रहा है। हाल ही में प्रेस्टीज ग्रुप और गोयल गंगा ग्रुप ने अपने हाउसिंग कंप्लेक्स में ईवी चार्जकर की सप्लाई और इंस्टालेशन का काम दिया है।

नईदिल्ली: कनार्टक की राजधानी बेंगलुरु में इलेक्ट्रिक व्हीकल (Electric Vehicle) का एडोप्शन तेज है। वहां के हाउसिंग कंप्लेक्स (Residential Complex) अब ईवी चार्जिंग स्टेशनों से लैस हो रहे हैं। नई खबर प्रेस्टीज (Prestige Group) और गोयल गंगा (Goel Ganga) ग्रुप की तरफ से आई है। शेयर बाजारों में लिस्टेड मरीन इलेक्ट्रिकल इंडिया (Marine Electrical) की सब्सिडियरी ईवीगो चार्ज प्राइवेट लिमिटेड को इन्हीं दोनों से बड़ा ऑर्डर मिला है। प्रेरितज के आर्डर के तहत ईवीगो बंगलुरु में ईवी चार्जर की सप्लाई और इंस्टालेशन का काम करेगी जबकि गोयल गंगा के आवासीय और कमर्शियल कॉम्प्लेक्सों में ईवी चार्जर की सप्लाई और इंस्टालेशन करेगी।

शेयर बाजार में दी सूचना



मरीन इलेक्ट्रिकल ने शेयर बाजारों को दी सूचना में कहा कि ईवीगो यह ऑर्डर 3.91 करोड़ रुपये का मिला है। हालांकि इसमें जोएसटी शामिल नहीं है। यह डिलीवरी ईवीगो को 4-6 हफ्तों में करनी होगी। ईवीगो चार्ज को 2018 में शुरू किया गया था। यह एक ई-मोबिलिटी वेंचर है जो पूरे देश में अपने ब्रांड

बिजीफाई के जरिये परिचालन का काम करती है।

ईवीगो का इन हाउस डिजाइन

ईवीगो का एक प्रमुख वर्टिकल ईवी चार्जिंग क्षेत्र में है। यह मोबाइल एप्लीकेशन के जरिये मोबिलिटी का काम करती है। चार्जर के अलावा

कंपनी सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर और सेवाओं सहित पूरा इकोसिस्टम भी प्रदान करती है। कंपनी का तेज चार्जर का एसी और डीसी का हार्डवेयर बोटस ज्यादातर इलेक्ट्रिक वाहनों में उपयोग होता है। यह सभी ईवीगो इन हाउस डिजाइन करती है। इसकी मैन्यूफैक्चरिंग गोवा में मरीन इलेक्ट्रिक की फैसिलिटी में होती है।

ईवी की बिक्री को नहीं मिल रही गति

बिजनेस स्टैंडर्ड के एक विश्लेषण से पता चलता है कि देश में 640 कंपनियां इलेक्ट्रिक वाहन बनाती हैं। लेकिन 345 कंपनियों ने बताया कि उन्होंने 100 से कम गाड़ियां बेची हैं।

इस महीने की शुरुआत में एक कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गर्व से भारत में फलते-फूलते इलेक्ट्रिक वाहन (EV) विनिर्माण उद्योग के बारे में बताया था। उन्होंने अब तक 30 लाख इलेक्ट्रिक वाहन बेचने को उपलब्धि करार देते हुए इसमें 600 से अधिक स्टार्टअप कंपनियों की भूमिका पर जोर दिया और उम्मीद जताई कि साल 2030 तक बर साल 1 करोड़ से अधिक इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री होगी।

देश में शांति से हो रही ईवी क्रांति काफी प्रशंसनीय है मगर आंकड़ों के पीछे की कहानी आशाजनक नहीं है। बिजनेस स्टैंडर्ड के एक विश्लेषण से पता चलता है कि देश में 640 कंपनियां इलेक्ट्रिक वाहन बनाती हैं। लेकिन 345 कंपनियों ने बताया कि उन्होंने 100 से कम गाड़ियां बेची हैं।

इसके विपरीत, सड़क परिवहन एवं वाहन राजमार्ग मंत्रालय के वाहन डैशबोर्ड पर उपलब्ध आंकड़ों के



अनुसार, जनवरी 2023 से 10 लाख वाहनों की बिक्री में शीर्ष 20 कंपनियों की 70 फीसदी हिस्सेदारी रही।

460 कंपनियां इलेक्ट्रिक तीन पहिया वाहन बनाती हैं यानी उद्योग के कुल 640 विनिर्माताओं में से 76 फीसदी मगर इस श्रेणी को सर्वाधिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इस खंड में न केवल विनिर्माताओं की सर्वाधिक संख्या है बल्कि 100 वाहनों से कम बिक्री करने वालों की भी संख्या काफी है। 236 कंपनियों ने बताया कि उन्होंने 100 से कम गाड़ियां बेची हैं।

चूंकि इलेक्ट्रिक तीन पहिया वाहनों के खरीदार मुख्य रूप से निम्न आय वर्ग के लोग रहते हैं और वे ब्रांड के मुकाबले कीमत को प्राथमिकता देते हैं इसलिए शीर्ष दस कंपनियों की बिक्री कम रही है। कुल 3,88,043 इलेक्ट्रिक तीन पहिया वाहनों की बिक्री में इन शीर्ष 10 कंपनियों की

सिर्फ 38 फीसदी हिस्सेदारी रही। हालांकि, जैसे-जैसे पेट्रोल-डीजल वाले तीन पहिया वाहन निर्माता अपने ईवी कारोबार को बढ़ा रहे हैं नई कंपनियों के लिए जगह कम होने का खतरा है।

पेट्रोल-डीजल वाहन की पारंपरिक कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा और पियाजियो पहले से ही शीर्ष 10 विनिर्माताओं में शामिल हैं और इनके पास सामूहिक रूप से 11 फीसदी बाजार हिस्सेदारी है। एमएंडएम पहले ही इस खंड में बादशाह है।

सायरा इलेक्ट्रिक ऑटो के प्रबंध निदेशक नितिन कपूर ने कहा, 'ईवी स्टार्टअप कंपनियों की की दीर्घकालिक स्थिरता के लिए गुणवत्ता, नवोन्मेष और लागत प्रतिस्पर्धा बनाए रखना प्रमुख कारक होंगे।' सायरा इलेक्ट्रिक ऑटो भारत की तीसरी सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक तीन पहिया वाहन विक्रेता है।

टाटा नेक्सॉन ईवी के सभी वेरिएंट की कीमत के साथ ही फीचर्स और बाकी सारी डिटेल

टाटा मोटर्स ने हाल ही में अपनी टॉप सेलिंग इलेक्ट्रिक एसयूवी नेक्सॉन ईवी को अपडेट किया है और यह एसयूवी अब लुक और फीचर्स के मामले में काफी बेहतर हो गई है। चलिए, आज हम आपको नई टाटा नेक्सॉन ईवी के सभी वेरिएंट की कीमतों के साथ ही लुक-फीचर्स और रेंज-स्पीड की सारी जानकारी देते हैं।

2023 टाटा नेक्सॉन फेसलिफ्ट के साथ ही नई नेक्सॉन ईवी भी इस महीने लॉन्च हो गई है। टाटा मोटर्स ने नेक्सॉन ईवी के एक्सटीरियर के साथ ही इंटीरियर में भी काफी सारे बदलाव किए हैं, जिसकी वजह से यह और जबरदस्त हो गई है। 2023 टाटा नेक्सॉन फेसलिफ्ट ईवी के क्रिएटिव, फियरलेस और एम्पावर्ड जैसे 3 ट्रिम में कुल 9 वेरिएंट्स हैं, जिनकी एक्स शोरूम प्राइस 14.74 लाख रुपये से शुरू होकर 19.94 लाख रुपये तक जाती है। इस 5 सीटर इलेक्ट्रिक एसयूवी को फ्लेम रेड, प्रिस्टिन वाइट,

इंटेसी टील, एम्पावर्ड ऑक्साइड, फियरलेस पर्पल, क्रिएटिव ओसन और डायटोना ग्रे जैसे 7 कलर ऑप्शन में पेश किया गया है।

टाटा नेक्सॉन ईवी के सभी वेरिएंट के दाम देखें

Nexon EV Creative Plus वेरिएंट की एक्स शोरूम प्राइस 14.74 लाख रुपये है। Nexon EV Fearless वेरिएंट की एक्स शोरूम प्राइस 16.19 लाख रुपये है। Nexon EV Fearless Plus वेरिएंट की एक्स शोरूम प्राइस 16.69 लाख रुपये है। Nexon EV Fearless Plus S वेरिएंट की एक्स शोरूम प्राइस 17.19 लाख रुपये है। Nexon EV Empowered वेरिएंट की एक्स शोरूम प्राइस 17.84 लाख रुपये है। Nexon EV Fearless LR वेरिएंट की एक्स शोरूम प्राइस 18.19 लाख रुपये है। Nexon EV Fearless Plus LR वेरिएंट की एक्स शोरूम प्राइस 18.69 लाख रुपये है। Nexon EV Fearless Plus S LR वेरिएंट की एक्स शोरूम प्राइस 19.19 लाख रुपये है। Nexon EV Empowered Plus LR वेरिएंट की एक्स शोरूम प्राइस 19.94 लाख रुपये है।

अच्छी रेंज वाली इलेक्ट्रिक एसयूवी

टाटा नेक्सॉन ईवी फेसलिफ्ट को 30 किलोवॉट और 40.5 किलोवॉट के दो बैटरी ऑप्शन में पेश किया गया है। इसका इलेक्ट्रिक मोटर 129 PS पावर और 215 Nm टॉर्क के साथ ही 144 PS पावर और 215 Nm पीक टॉर्क तक जेनरेट करता है। इसके 30 किलोवॉट वेरिएंट की बैटरी रेंज 325km तक और 40.5 किलोवॉट वेरिएंट की बैटरी रेंज 465km तक है। इस इलेक्ट्रिक एसयूवी को डीसी फास्ट चार्जर की मदद से महज एक घंटे में 10-100 पर्सेंट तक चार्ज किया जा सकता है।

फीचर्स की भरमार

फीचर्स की बात करें तो नई टाटा नेक्सॉन ईवी में 12.3 इंच का टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम, वायरलेस फोन चार्जिंग, वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो और एप्पल कार प्ले, 10.25 इंच का डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, जेबीएल का 9 स्पीकर साउंड सिस्टम, ऑटोमैटिक एसी, क्रूज कंट्रोल, सनरूफ, 6 एयरबैग्स, 360 डिग्री कैमरा, ब्लाईंड व्यू मॉनिटरिंग सिस्टम, फ्रंट और रियर पार्किंग सेंसर समेत अन्य सुबियां हैं।



भीख मांगते पाकिस्तान की अवाम बेहाल



योंगेंद्र योगी

आश्चर्य की बात

तो यह है कि देश

के भयावह होते

अंदरूनी हालात

को सुधारने के

लिए जरूरी,

भारत से दोस्ती का

हाथ बढ़ाने के

बजाय पाकिस्तान

सरकार अभी भी

कश्मीर की रट

लगाए हुए है‘

जी-20 के सफलतापूर्वक हुए आयोजन से भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि में इजाफा हुआ है, वहीं पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान में हाहाकार मचा हुआ है। पाकिस्तान लगातार रसतल की तरफ जा रहा है। पाकिस्तान की हालत नारकीय हो गई है। पाकिस्तान में पेट्रोल 320 रुपए से ऊपर है। आटे का भाव 150 रुपए तक पहुंच गया है। बिजली के बिल ने आम अवाम की कमर तोड़ कर रख दी है। डॉलर की कीमत 300 पाकिस्तानी रुपए से ऊपर पहुंच गई है। पाकिस्तान में महंगाई 28 फीसदी से ज्यादा पहुंच चुकी है। लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए पाकिस्तान दूसरे देशों से भीख मांग रहा है। कंगाल पाकिस्तान की आवाम सड़क पर है। डॉलर की कालाबाजारी हो रही है। आम घरेलू उपभोक्ता को प्रति यूनिट 100 रुपए से भी ऊपर बिजली का बिल चुकाना पड़ रहा है। बिजली का बिल नहीं चुकाए जाने की स्थिति में लोग आत्महत्या कर रहे हैं। बिजली बिल में यह बढ़ोतरी आईएमएफ की कर्ज के बदले कठोर शर्तों के कारण हुई है, जिसे पाक सरकार मानने को मजबूर है। दरअसल आईएमएफ ने कर्ज के साथ उसकी अदायगी के लिए यह शर्त रखी थी जिसमें अब समूचा पाकिस्तान बुरी तरह तिलमिला रहा है। पाकिस्तान की एयरलाईस के दिवालिया होने की वजह से इंटरनेशनल बेइरुजती हो रही है। कुछ दिन पहले सउदी अरब और यूएई में ईंधन के पैसे नहीं चुकाने की वजह से विमानों को रोक लिया गया था। इसके बाद एयरलाईस अधिकारियों के लिखित आश्वासन के बाद ही विमानों को उड़ान भरने की उम्मीद मिली है। बेरोजगारी का आलम यह है कि फैक्ट्रियों, उत्पाद और व्यवसाय लगभग चौपट हो चुके हैं। विदेशी निवेश शून्य हो चुका है। महंगाई और बेरोजगारी के कारण पाकिस्तान अपराध की गिरफ्त में आता जा रहा है। बेरोजगारी का आलम यह है कि लाखों युवाओं ने देश छोड़ने के लिए आवेदन कर रखा है, किन्तु पाकिस्तान की सरकार उन्हे मंजूरी नहीं दे रही है। फाकाकशी के कारण भिखारियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसी स्थिति में पाकिस्तान में गृहयुद्ध के हालात बन गए हैं। सेना ने पाक सत्ता में हस्तक्षेप शुरू कर दिया है। सेना ने डॉलर की कालाबाजारी रोकने के लिए कई स्थानों पर कारवाई की। इससे डॉलर का रेट कुछ रुपए नीचे आ गया। पाकिस्तान में आई गिरावट का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उसके पासपोर्ट की साख नीचे से चौथे नम्बर पर पहुंच गई है। पाकिस्तान में सरैआम विद्रोह के



स्वर गूंज रहे हैं। बलूचिस्तान के निवासी कारंगिल का रास्ता खोले जाने की मांग कर रहे हैं ताकि भारत से व्यापारिक लेन-देन शुरू हो सके। इसके अलावा बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर बलूचिस्तान के लाखों लोगों ने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। पाक सेना को हालात को नियंत्रण करने के लिए भेजा गया है। कुछ ऐसी ही हालत पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की है। पाकिस्तान की भयावह होी स्थिति का सच पाक मीडिया भी नहीं दिखा रहा है। मीडिया पर पाक सरकार का अंकुश है। सोशल मीडिया पर दबे-छिपे तरीके से पाकिस्तान के हालात उजागर हो रहे हैं। मौजूदा हालत में पाक नागरिक यह कहने लगे हैं कि उन्होंने पाकिस्तान में शामिल होकर कौनसा अपराध कर दिया। पाक सरकार के खिलाफ लोगों को अब किसी तरह की कानूनी कार्रवाई का डर नहीं है। लोग खुलकर अपने आक्रोश का इजहार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान की साख इतनी बदतर हो चुकी है कि संयुक्त अरब अमीरात के प्रिंस ने जी-20 में शिरकत के लिए पाकिस्तान में 6 घंटे रुकने की घोषणा की थी, किन्तु वे भी इससे पलट गए। इस्लामिक देशों के बूते भारत को घमकाते वाले पाकिस्तान से सभी देशों ने मुंह मोड़ लिया है। भिखारी जैसी हालत वाले पाकिस्तान से कोई भी देश अब रिश्ता रखने से कतराने लगा है। इतना ही नहीं, पाकिस्तान के कई शहरों के लोगों के लिए वीजा पर बैन लगाया दिया है। यह नौबत तब आई है जब कई देशों में पाक के लोगों पर लगातार अपराधिक गतिविधियों में शामिल होने का पता चला। इससे गो बैक पाकिस्तानी की

मुहिम चली हुई है। ब्रिटेन में हुए एक सत्रे में 14 प्रतिशत पाकिस्तानी युवाओं को बेकारी और कामचोरी के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है। ये युवा ब्रिटेन सरकार द्वारा बेरोजगारों के लिए दिए जांने वाले भत्ते पर गुजारा कर रहे हैं। इससे पहले भी सऊदी अरब और दूसरे मुल्क में भी पाकिस्तानियों की बेजा हरकतों के कारण गो पाकिस्तानी का ट्रेंड चल चुका है। पाकिस्तानी डॉक्टर के अमरीका में एक आर्तकी योजना में शामिल होने के बाद ऐसा ही ट्रेंड वहां भी चला था। पूरे विश्व में पाकिस्तानियों की किरकिरी हो रही है। आईएमएफ ने पाकिस्तान से कहा है कि गरीबों को राहत देने के लिए अमीरों पर टैक्स लगाएं। पाकिस्तान को अमीरों पर कर लगाने और गरीबों की रक्षा करने के लिए कहा गया है। आईएमएफ की प्रबंध निदेशक क्रिस्टल्लिना जॉर्जीवा ने संयुक्त राष्ट्र महासभा से इतर पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकर के साथ बैठक की और पाकिस्तान से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि वह अमीरों पर कर लगाए और गरीबों की रक्षा करें। क्रिस्टल्लिना ने कहा कि मैंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री से कहा कि अमीरों पर अधिक कर लगाएं और गरीबों की रक्षा करें। मुझे यकीन है कि पाकिस्तान के लोग भी यही चाहते हैं। यह बैठक पाकिस्तान के लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि वह अपने नागरिकों को बिजली बिलों पर कुछ राहत प्रदान करने के लिए आईएमएफ से मंजूरी चाहता है, जिससे देशव्यापी विरोध प्रदर्शन और स्थानीय लोगों में गुस्सा पैदा हो गया है, जो अधिक कर लगाने और बिजली दरों में वृद्धि के लिए सरकार से सवाल करते हैं। उनके

लिए अपने बिलों का भुगतान करना असंभव है। अमीर कर चोरी करके बच जाते हैं, जबकि गरीबों को बिल भुगतान और वसूली के लिए निशाना बनाया जाता है। लेकिन सवाल यही है कि क्या पाकिस्तान की अंतरिम सरकार में इतनी हिम्मत है कि रसूखदारों पर ज्यादा टैक्स लगा सके। पाकिस्तान की कर वसूलने वाली सरकारी मशीनरी भ्रष्टाचार की गंग से सड़-गल चुकी है। अधिकारी और सत्ता में रहे नेता आंकंट तक भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं। ऐसे में इस बात की संभावना क्षीण है कि पाकिस्तान अमीरों पर ज्यादा टैक्स लगाने में दमखम दिखा पाएगा। देखना यही है कि पाकिस्तान अब आईएमएफ की इस सलाह पर कैसे अमल कर पाता है। आईएमफ की इस सलाह से पहले पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ अपने ही देश की सरकार पर निशाना साध चुके हैं। शरीफ ने कहा कि हमारा देश दुनिया से पैसों की भीख मांग रहा है, वहीं पड़ोसी भारत चांद पर पहुंच गया। दाने-दाने को मांहताज पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने लंदन में बैठकर कहा कि पाकिस्तान की आर्थिक हालत में सुधार नहीं हुआ तो बगावत पर उतारू लोगों को संभालने के लिए पाक सेना सुरसा का मुंह फाड़े खड़ी है। मौजूदा हालत में हर तरह से पाकिस्तान की जनता पिस रही है। पाकिस्तान की यह हालत एक दिन में नहीं हुई है। आतंकवाद को प्रोत्साहन देने की नीति के कारण पाकिस्तान खोखला हो चुका है। पाकिस्तान के खैरख्वाहों ने भी अपनी तरक्की की तरफ ध्यान नहीं दिया। भारत के प्रति दुश्मनी की प्रबल भावना से पाकिस्तान की यह हालत हुई है। आश्चर्य की बात तो यह है

संपादक की कलम से

सर्वसम्मत संसद

क्या भारतीय राजनीति बदल रही है ? क्या महिला आरक्षण और सशक्तिकरण सरीखे अन्य मुद्दों पर भी राजनीतिक सर्वसम्मति हो सकती है ? महिला आरक्षण पर सर्वसम्मति और एकजुटता विचार के स्तर पर है अथवा वोट की मजबूरी है ? महिला आरक्षण बिल के कानून बनने के बाद यह व्यवस्था अक्षरशः लागू होगी या आर्श्रित वर्ग के साथ तालमेल दिया किया जाता रहेगा ? यदि वाजपेयी सरकार के चार प्रयासों और यूपीए की मनमोहन सरकार के दौरान संसदीय अनुभवों को याद करें, तो उनकी तुलना में ‘नारी शक्ति वंदन’ बिल संसद के दोनों सदनों में लगभग सर्वसम्मति से पारित हुआ है। लोकसभा में 454 वोट बिल के पक्ष में और ओवैसी तथा उनकी पार्टी के एक और सांसद, यानी मात्र 2 वोट, बिल के विरोध में गए। राज्यसभा में उपस्थित सभी 215 सांसदों ने बिल का समर्थन किया। हालांकि उच्च सदन की कुल संख्या 245 सांसदों की होती है। यह राजनीतिक अभिव्यक्ति और परिपक्वता विषयगत है, लेकिन धुर विरोधियों ने भाजपा सरकार के बिल को सर्वसम्मत समर्थन दिया, यह महत्त्वपूर्ण राजनीति है। संसद के दोनों सदनों में कुछ ऊंचे स्वर भी सुनाई दिए, कुछ विरोध भी देखा गया, अपने तार्किक पक्ष भी रखे गए, लेकिन हंगामे, अभद्र टिप्पणियों, अस्तेज, अराजकता, नौटंकी और मार्शल द्वारा सांसदों को सदन से बाहर करने तक की नौबत नहीं आई। कांग्रेस, द्रमुक, तृणमूल कांग्रेस, सपा, बसपा, जनता दल-यू आदि के सांसदों ने ओबीसी महिलाओं के लिए भी आरक्षण की मांग की। जातीय जनगणना के सवाल भी किए गए, आरक्षण के लाभा होने का समय भी पूछा गया, राजनीतिक विचार पर अपने सरोकार पेश किए गए, लेकिन मत-विभाजन की बारी आई, तो बिल के समर्थन में वोट दिए। महिला सशक्तिकरण और मातृशक्ति को विकास, सत्ता, नीति-निर्धारण की

मुख्यधारा से जोड़ने की अनिवार्यता और बाध्यता के सामने समूचे विपक्ष को अपने हथियार डालने पड़े, क्योंकि अब महिलाओं के जनदेश ही निर्णायक साबित हो रहे हैं। 2014 के बाद ज्यादातर चुनावों में महिलाओं ने, पुरुष की तुलना में, अधिक वोट दिए हैं। यह रझान भी बढ़ता जा रहा है कि अब महिलाएं अपने विवेक और अपनी सोच के मुताबिक ही मतदान करती हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में 67.18 फीसदी महिलाओं ने वोट दिए, जबकि पुरुष वोट 65 फीसदी से कुछ ज्यादा थे। भाजपा के पक्ष में 36 फीसदी से ज्यादा महिलाओं ने वोट दिए, जबकि विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस के समर्थन में करीब 20 फीसदी महिलाएं थीं। 2024 में महिला वोट का कुल आंकड़ा बढ़ सकता है, लिहाजा महिला आरक्षण के पीछे यह राजनीतिक मजबूरी भी काम कर रही है। मोदी सरकार की अधिकतर लाभार्थी परियोजनाएं महिला-केंद्रित हैं। अब संसद में ‘नारी शक्ति वंदन अधिनियम’ के लगभग सर्वसम्मति से पारित होने के बाद भाजपा देश भर में इसका प्रचार करेगी। बहरहाल आने वाला कालखंड महिलाओं का होगा। अब संसद से पारित होने के बाद बिल विधानसभाओं में भेजा जाएगा। 50 फीसदी विधानसभाओं की मान्यता के बाद इसे राष्ट्रपति को भेजा जाएगा। राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद यह कानून की शकल ले लेगा। फिर जनगणना और परिसीमन दोनों ही अनिवार्य शर्तें हैं। गुप्तमंत्री अमित शाह ने लोकसभा में आश्चर्य स्रकिया है कि 2024 के आम चुनाव के बाद जनगणना शुरू की जाएगी। तय है कि यह प्रक्रिया 2026 तक ही सम्पन्न होगी। फिलहाल 1971 की जनगणना के आधार पर लोकसभा की सीटें निर्धारित की गई थीं। अब देश की आबादी करीब 140 करोड़ है, लिहाजा उसी के आधार पर सदनों में वोट दिए। महिला सशक्तिरण और मातृशक्ति को विकास, सत्ता, नीति-निर्धारण की

चर्चा

कांग्रेस का श्वेतपत्र

उधार के चम्मच से जो उठाई मिठाई, चाशनीफिसल कर मुंह को चरसां कर गई। उधार के तीरों से खेलती सियासत ने सरकारी खजाने को कितना घायल किया है, इसका मुआयना कांग्रेस सरकार कर रही है। कबीर दासों को एक फैक्सी सरकार ने राज्य की आर्थिकस्थिति पर श्वेतपत्र लाने की जहमत उठाई, तो मालूम हुआ कि घाटे की परिस्थितियों में भी उधार की फिजूलखर्ची में बढ़ा काम हुआ है। जाहिर है कांग्रेस का श्वेतपत्र अपनी वित्तीय मजबूरियों में पिछली जयमरा सरकार की खामियों को विधानसभा परलप पर ले आया है। आते ही खाली खजाने की हालत पर सुक्खु सरकार ने उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्रिहोत्री की अध्यक्षता में जिस समिति का गठन किया था, उससे 48 पनों के श्वेतपत्र में पूर्ववर्ती जयमरा सरकार की वित्तीय अनियमितताओं को समेट दिया है। अभी तक श्त्र उठाने, फिजूल खर्ची का दरबार सजाने और भुगतान का दायित्व छोड़ जाने के आंकड़ों में जयमरा सरकार से कांग्रेस का श्वेतपत्र पूछ रहा है। आगे चलकर यह भी बताना होगा कि वित्तीय व्यवस्था के वर्तमान परलप से मौजूदा सरकार कैसे बाहर निकलेगी। बहरहाल श्वेतपत्र के दस्तावेज बता रहे हैं कि पूर्ववर्ती भाजपा सरकार की देनदायियों की नसीहत में वर्तमान कांग्रेस सरकार को कुल 92774 करोड़ चुकाने हैं, जबकि इसमें भी 76603 करोड़ का श्त्रा एक्जिट हो चुका है। पिछली सरकार ने सत्ता के अंतिम वर्ष 16621 करोड़ के श्त्रा से लुभावनी पड़ियां तली हैं, तो इसका हजाना कौन चुकाएगा। हैरानी यह है कि इस श्त्रा से वे तमाम मांगपर रंगे हैं, जो कर्मचारियों को उम्मीदों पर झड़सास करते हैं कि कल हो न हो, सत्ता अपने मिशन रिपीट की सीढियों के लिए सरकारी खजाने में झाड़ लगाएगी। मुकेश अग्रिहोत्री की समिति की जांच में आई पूर्व सरकार के डबल इंजन पर भी आरोप हैं।

योजना आयोग के भंग होने से सिंहामचल जैसे पहाड़ी राज्य को तीन हजार करोड़ की चपत तथा राज्य घाटा के अनुदान को लगातार कम कर देने से, वित्त आयोग की ओर से पहाड़ी राज्य के प्रति उदासीनता बढ़ी है। रेवेन्यू डिपॉसिट ग्रंट 11431 करोड़ से घट कर मात्र 3257 करोड़ रह गई है। श्वेतपत्र जीएसटी मुआवजे की समीक्षा से आई शून्यता पर भी अंगुली उठा रहा है। उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्रिहोत्री केंद्र की घोषणाओं को थोथा कारक देकर पूछते हैं कि मंडी एयरपोर्ट के एक हजार करोड़, कांगड़ा हवाई अड्डे के 400 करोड़ और ज्वालामुखी मंदिर विकास के बीस करोड़ आखिर आए क्यों नहीं। सुक्खु सरकार के टेढ़े प्रश्नों की आंच में पूर्व सरकार की इन्वेस्टर मीट, जन्मचं आयोजन तथा अमृत महासत्त 57 करोड़ों के आयोजन पर खर्च हुए 67 करोड़ अंग गए हैं। सत्ता के अंतिम वर्ष की सियासी खुशहाली के लिए खुशफहमी का आलम कमबेशहर सरकार से फिजूलखर्ची कराता है, लेकिन यहां डिनोटिफाई हुए संस्थानों के साथ कुल नौ सौ नए संस्थानों एवं दफ्तरों के खुलने पर आई आपत्तियां, अब जोर शोर से वकालत कर रही हैं। जाहिर है ऐसे तीखे मोड़ पर सदन की भेंट भाजपा का दिन चढ़ गया और विपक्ष ने बाहिष्कार की फ़ीरती में सरकार के श्वेतपत्र को अनसुका कर दिया। आर्थिक विपन्नता तथा वित्तीय विवशता से जूझ रहे हिमाचल में सियासी तौर पर फिजूलखर्ची के चिद्दे हर दूर में रहे हैं। अगर आज तेरह बोर्डिंगम, निकम्मे होकर भी सरकारी तिजोरी से माल चुरा रहे हैं, तो यह वर्षों का पाप है। भाजपा या कांग्रेस, सत्ता में आते ही धी शक्कर परोसते-परोसते, उधार के चश्मे से प्रदेश चलाती रही हैं। अनावश्यक कार्यालय, स्कूल, कालेज और चिकित्सा संस्थान ही नहीं, सरकारी कर्मचारियों की संख्या में भी आबादी के अनुपात में राष्ट्रीय आंकड़ों से कहीं अधिक नियुक्तियां हिमाचल में होती हैं।

डा . अमरीक सिंह ठाकुर

भारत की सांस्कृतिक विविधता कृषि पर्यटन में सांस्कृतिक विसर्जन के लिए अद्वितीय अवसर प्रदान करती हैः

भारत में एक समृद्ध कृषि विरासत और विविध सांस्कृतिक परंपराएं हैं, जो इसे कृषि पर्यटन के लिए एक आदर्श गंतव्य बनाती हैं। कृषि पर्यटन पर्यटन का एक उभरता हुआ स्थायी और अभिनव रूप है जिसमें पर्यटकों को कृषि गतिविधियों का अनुभव करना और भाग लेना, ग्रामीण जीवन में अंतर्दृष्टि प्राप्त करना और प्रामाणिक खेत-आधारित अनुभवों का आनंद लेना शामिल है। ग्रामीण विकास और आर्थिक विकास के लिए एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में, कृषि पर्यटन में किसानों, उद्यमियों और स्थानीय समुदायों के लिए महत्वपूर्ण अवसर पैदा करने की क्षमता है। इस नीति दस्तावेज का उद्देश्य कृषि पर्यटन क्षेत्र के भीतर क्षमता, दायरे, सेवाओं के प्रकार, कृषि गतिविधियों, आय क्षमता, उद्यमिता के अवसरों और रोजगार सृजन को रेखांकित करना है। आय और रोजगार के मामले में कृषि पर्यटन की वैश्विक स्थिति देशों और क्षेत्रों में भिन्न होती है। जबकि पूरी दुनिया के लिए विशिष्ट आय और रोजगार के आंकड़े प्रदान करना चुनौतीपूर्ण है। मैं आपको कुछ सामान्य अंतर्दृष्टि प्रदान कर सकता हूं। कृषि पर्यटन स्थायी पर्यटन का एक उभरता हुआ रूप है जो पर्यटन अनुभवों के साथ कृषि गतिविधियों को जोड़ता है।

इसने दुनिया भर में लोकप्रियता हासिल की है क्योंकि यात्री प्रामाणिक और इमर्सिव अनुभवों की तलाश करते हैं, और किसान व ग्रामीण समुदाय वैकल्पिक आय स्रोतों की तलाश में हैं। कृषि पर्यटन की क्षमता और दायरा कृषि पर्यटन का उद्देश्य प्रामाणिक और इमर्सिव अनुभवों की तलाश करने वाले पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए ग्रामीण

क्षेत्रों की समृद्ध सांस्कृतिक और कृषि विरासत का लाभ उठाना है। कृषि पर्यटन विभिन्न प्रकार की सेवाओं को कृषि पर्यटन प्रतिष्ठान आगंतुकों को प्रदान कर सकते हैं। इसमें खेत में रचना, निर्देशित पर्यटन, खेती के अनुभव, कृषि कार्यशालाएं, खेत से मेज पाक अनुभव और सांस्कृतिक गतिविधियां शामिल हो सकती हैं। सेवाओं की श्रेणी में विविधता लाकर, कृषि पर्यटन व्यापक दर्शकों को पूरा कर सकता है और आगंतुक संतुष्टि को बढ़ा सकता है। इन गतिविधियों में फसल कटाई, पशुपालन, कृषि-वानिकी, जैविक खेती व कृषि विधियां शामिल हो सकती हैं। इन गतिविधियों में पर्यटकों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करने से उन्हें खेती के तरीकों और ग्रामीण जीवन की गहरी समझ मिलेगी। कृषि पर्यटन में विभिन्न उद्यमिता अवसरों को रेखांकित करेगा जो कृषि पर्यटन प्रदान कर सकते हैं। यह किसानों और ग्रामीण समुदायों को अपने कृषि पर्यटन उद्यमों की स्थापना और प्रबंधन के लिए सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित करेगा।

प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और विपणन सहायता प्रदान करके, महत्वाकांक्षी कृषि पर्यटन उद्यमी सफल और टिकाऊ व्यवसाय बना सकते हैं। कृषि पर्यटन में आय सृजन विभिन्न स्रोतों से आ सकता है, जैसे आवास शुल्क, कृषि उपज की बिक्री, खेत से टेबल अनुभव, निर्देशित पर्यटन, कार्यशालाएं और मूल्य वर्धित उत्पाद। आय क्षमता कृषि पर्यटन संचालन के पैमाने, आगंतुक मांग के स्तर, दी जाने वाली सेवाओं की गुणवत्ता और प्रभावी विपणन रणनीतियों जैसे कारकों पर निर्भर करती है। आवास खेत-रहने के विकल्प या ग्रामीण आवास प्रदान करना। कृषि- प्रवास विकल्प या ग्रामीण आवास प्रदान करना कृषि



पर्यटन में एक आकर्षक आय स्रोत हो सकता है। किसान अपनी मौजूदा संरचनाओं को बदल सकते हैं या एक प्रामाणिक ग्रामीण अनुभव की तलाश करने वाले पर्यटकों को पूरा करने के लिए नए आवास का निर्माण कर सकते हैं। खेत पर बाहरी गतिविधियों का आयोजन रोमांच चाहने वाले पर्यटकों को आकर्षित कर सकता है। किसान लंबी पैदल यात्रा ट्रेल्स, मछली पकड़ने के तालाब, घुड़सवारी या प्रकृति की सैर जैसी गतिविधियों की पेशकश कर सकते हैं। इन मनोरंजक गतिविधियों के लिए शुल्क लेना आय उत्पन्न कर सकता है और आगंतुकों के लिए अनोखे अनुभव का एक अतिरिक्त स्रोत प्रदान कर सकता है। कृषि गतिविधियां कृषि पर्यटन में कृषि गतिविधियां आगंतुकों को आकर्षित करने और उन्हें ग्रामीण जीवन और कृषि का अनुभव प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। फसल की खेती आगंतुक फसल की खेती से

संबंधित गतिविधियों में संलग्न हो सकते हैं, जैसे कि रोपण, कटाई, निराई या छंटाई। यह उन्हें खेती की प्रक्रिया का अनुभव करने और खेत पर उगाई जाने वाली विभिन्न फसलों के बारे में जानने की अनुमति देता है।

पशुधन बातचीत पशुधन के साथ खेत उन गतिविधियों की पेशकश कर सकते हैं जहां आगंतुक गायों, भेड़, बकरियों, मुर्गियों या घोड़ों जैसे जानवरों के साथ बातचीत कर सकते हैं। इसमें जानवरों को खिलाना, गायों का दूध निकालना, भेड़ों को चराना या जानवरों की देखभाल के बारे में सीखना शामिल हो सकता है। खेत के काम आगंतुक दैनिक खेत के कामों में भाग ले सकते हैं, जैसे कि जानवरों को निचालना, अस्तबल की सफाई करना या कृषि उपकरणों को बनाए रखना। यह उन्हें कृषि कार्यों में आवश्यक कड़ी मेहनत और समर्पण का स्वाद देता है। कृषि पर्यटन ऑपरेटरों के

रोजगार के अवसर पैदा कर सकता है। टूर गाइड, आतिथ्य स्टॉफ और गतिविधि प्रशिक्षकों के रूप में स्थानीय प्रतिभाओं को काम पर रखना। परिवहन, खाद्य आपूर्तिकर्ताओं और कारीगरों जैसे अन्य व्यवसायों का समर्थन करना। भारत में जैविक उपज की बढ़ती मांग है। कृषि पर्यटन जैविक खेती प्रथाओं को बढ़ावा दे सकता है और आगंतुकों को जैविक खेती तकनीकों के बारे में जानने, कृषि गतिविधियों में भाग लेने और जैविक उत्पादों को खरीदने का अवसर प्रदान कर सकता है। भारत की सांस्कृतिक विविधता कृषि पर्यटन में सांस्कृतिक विसर्जन के लिए अद्वितीय अवसर प्रदान करती है। आगंतुक पारंपरिक समारोहों, त्योहारों या हस्तशिल्प कारशालाओं में भाग ले सकते हैं जिससे उन्हें स्थानीय रीति-रिवाजों और परंपराओं के बारे में जानने की अनुमति मिलती है।

चिंतन विचार

कई बरसों से कहा जा रहा है कि पूरा विश्व हमारी तरफ देख रहा है। हम विश्वगुरु हो गए हैं। दुनिया भर में हमारी योजनाओं के करोड़ों विद्यार्थी हैं। ईंसानों को छोड़िए, जानवरों से हमारा प्यार बढ़ता जा रहा है। यह गर्व की बात है कि पूरी दुनिया में सिर्फ हमारा ही देश है जहां गाय को, गाय माता कहा जाता है। उनकी खूब सेवा करने की बात होती है। वह बात दीगर है कि वे शहर गांवों, कस्बों की राहों, गलियों में रंभाती घूमती रहती हैं। उनके मालिक दूध निकाल कर, उन्हें सड़क के हवाले कर देते हैं। उन्हें कचरा, पालीथिन खाने और घट्टने के लिए छोड़ देते हैं। उनके कानों में लगे टेप बताते हैं कि उन्हें कजरूलेकर खरीदा गया है और उनका बीमा भी हुआ है।

‘माफ करें, बात कहीं से कहीं जा रही है। कई क्षेत्रों में

गायों की खूब सेवा भी की जाती है। उन्हें सुगम संगीत सुनवाया जाता है। वह बात अलग है कि संगीत सिर्फ इसलिए सुनवाया जाता है ताकि वह दोगुना दूध दें। लेकिन जिनकी वजह से गाय के बछड़े या बछड़ी होती हैं, उन्हें पिता तो ब्या कहना, सम्मान से भी नहीं देखा और रखा जाता। बताते हैं कि प्राकृतिक जन्म संस्कृति को धत्ता बताते हुए अब ऐसी तकनीक विकसित कर ली गई है कि बढ़िया दुग्धार् गाय से सिर्फ बच्छियां ही पैदा हो। यह बात ज़्यादा अलग नहीं कि समझदार ईंसान, ईंसानी बच्ची के भ्रूण को आज भी गर्भ में खत्म करने को तैयार हैं। वहां भी ईंसान ‘सामाजिक पशु’ चाहता है। हालांकि भैंसें भी हमारे देश में ही बहुत दूध देती हैं लेकिन उन्हें मासी भी नहीं कहा जाता। गाय माता का हाल भी सब

जानते हैं। कितने झगड़े तकरार हुए, लोग मारे और मरवाए, सुरक्षा परेशान रही और राजनीति मनपसंद नृत्य करती रही। फिर भी गाय परेशान है और बातों के कानून बराबर बनाए जा रहे हैं। अब बात को सीधे उड़ाकर कई सम्मंद पर ल चलते हैं, आस्ट्रेलिया। वहां गायों के माध्यम से मानसिक तौर पर बीमार लोगों का इलाज किया जा रहा है। हमारे यहां उन्हें मानसिक रूप से सताया जाता रहा है। वहां ‘काऊ कडलिंग सेंटर’ बनाए जा रहे हैं। हम तो उनकी ठीक से सेवा नहीं कर पाते, उनका बीमा तो क्या अपना भी नहीं करते। वहां गाय को एक चिकित्सक के रूप में लिया जा रहा है। कुछ बीमारियां अवसाद ऐसे होते हैं जिनमें एक ईंसान का सानिध्य और व्यवहार दूसरे ईंसान को ठीक नहीं कर पाता, वहां जानवर का निस्वार्थ

साथ और नैसर्गिक प्रतिबद्धता स्वस्थ कर देती है। संभवतः गाय वहां ऐसा कर पा रही है क्योंकि वहां यह कार्य पेशेवर तरीके से किया जा रहा है, धार्मिक शैली में नहीं। ऐसी गाय चिकित्सा पद्धति, यहां भी लाने की जरूरत है क्योंकि यहां विकसित ईंसानी पद्धति के अंतर्गत ईंसान की सोहबत में ईंसान बिगड़ रहे हैं। सद्भाव और प्रेम बढ़ाऊ आयोजनों में तलवारें भेंट की जा रही हैं। राजनीति ने प्रकृति का विवाह जबरदस्ती कुबुद्धिजीवी विकास के साथ कर दिया है। घर में प्लास्टिक के फूल पोथे सजाए जा रहे हैं। शायद जानवर के संग रहकर सद्ग्रवहार, स्नेह, निश्छल प्रेम का आलिंगन पाकर, ईंसान, ईंसान को ईंसान समझने लगे। एक बार कोशिश करने में क्या हज़रू है।

प्रभात कुमार



एटीएम से नहीं निकला कैश और अकाउंट से कट गए पैसे, घबराएं नहीं करना होगा बस इतना सा काम

ATM Rules बैंक हर खाताधारक को एटीएम की सुविधा मिलती है। एटीएम के जरिये आसानी से कैश निकाल सकते हैं। ऐसे में अकाउंट होल्डर को कैश निकालने के लिए बार-बार बैंक जाने की जरूरत नहीं पड़ती है। कई बार एटीएम से कैश निकालते समय अकाउंट से पैसे कट जाते हैं और कैश विज्ञ नहीं होता है। आइए जानते हैं कि ऐसे में क्या करना चाहिए ?

नई दिल्ली। डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने के लिए आज कई लोग कैशलेस पेमेंट करना काफी पसंद करते हैं। परंतु कई बार हमें कैश की जरूरत पड़ती है। ऐसे में एटीएम (ATM) का होना बहुत जरूरी होता है। यह कैश निकालने के लिए काफी आसान है। इस से आप कहीं भी बड़ी आसानी से कैश निकाल सकते हैं। कई बार एटीएम से कैश निकालने में हमें काफी परेशानी का सामना करना होता है। इसके अलावा एटीएम कार्ड के जरिये फ्रॉड भी होते हैं। ऐसे में आपको एटीएम का इस्तेमाल करते समय काफी सावधानी की



जरूरत है। क्या आपके साथ ऐसा कभी हुआ है कि एटीएम से कैश नहीं निकला है और अकाउंट से डिडक्ट हो गया है। अगर आपके साथ ऐसा होता है तो आपको क्या करना चाहिए ? आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताएंगे जिससे आपके डिडक्ट अमाउंट वापस आ जाएगा।
एसएमएस से मिलेगी जानकारी
जब खराब तकनीक की वजह से एटीएम से कैश नहीं निकलते हैं तो आपके पास मैसेज आ जाता है। इस मैसेज में आपको

बताया जाता है कि आपके अकाउंट से पैसे कट चुके हैं। ऐसी स्थिति में हमें काफी चिंता हो जाती है। कई बार डिडक्ट किये गए राशि आपके अकाउंट में वापस आ जाते हैं। वहीं, फ्रॉड के कारण भी आपके अकाउंट से पैसे निकाल सकते हैं। कई लोग एटीएम मशीन से छेड़छाड़ करते हैं और बाद में वह अकाउंट से पैसे निकाल लेते हैं।
क्या करें
अगर आपके साथ कभी भी ऐसा होता है तो

आपको सबसे पहले बैंक के कस्टमर केयर से संपर्क करना चाहिए। आप अपनी समस्या को नोट भी करवा सकते हैं। कस्टमर केयर एग्जीक्यूटिव एक शिकायत दर्ज करता है और हमें शिकायत ट्रैकिंग रिकॉर्ड देता है। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के अनुसार इस तरह के परेशानी में बैंक को 7 दिन के भीतर शिकायत का समाधान करना होता है और अकाउंट होल्डर के अकाउंट में पैसे जमा करने होते हैं।

मुआवजा का प्रावधान
अगर बैंक अकाउंट होल्डर के अकाउंट में पैसे जमा नहीं करते हैं तो बैंक आपको मुआवजा देती है। आरबीआई के निर्देशों के अनुसार बैंक को 5 दिन के भीतर शिकायत का समाधान करना होता है। अगर बैंक 5 दिन के भीतर समाधान नहीं करता है तो बैंक को 100 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से मुआवजा देना होता है। इसके अलावा ग्राहक <https://cms.rbi.org.in> पर भी शिकायत दर्ज कर सकता है।

कारोबारी हफ्ते के आखिरी दिन अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया हुआ मजबूत, 19 पैसे बढ़त पर हुआ बंद

आज के कारोबारी सत्र में डॉलर के मुकाबले रुपया 19 पैसे की बढ़त के साथ बंद हुआ है। आज भारतीय करेंसी 82.94 पर बंद हुआ। बीते दिन गुरुवार के सत्र में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 83.13 पर बंद हुआ। आज शेयर बाजार के दोनों स्टॉक एक्सचेंज गिरावट के साथ बंद हुए हैं।

नई दिल्ली। कारोबारी हफ्ते के आखिरी दिन यानी शुक्रवार के सत्र में रुपया 19 पैसे की बढ़त के साथ बंद हुआ है। भारतीय करेंसी के मजबूत होने की वजह है कि जेपी मॉर्गन बॉन्ड इंडेक्स में भारत को शामिल करने का फैसला लिया है। इस फैसले ने निवेशकों की धारणा को मजबूत कर दिया है। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि जेपी मॉर्गन चेज एंड कंपनी के भारतीय सरकारी बॉन्ड को अपने बेंचमार्क उभरते बाजार सूचकांक में शामिल करने के फैसले से भारत के डेट बाजार और वैश्विक निवेशकों पर दूरगामी प्रभाव पड़ने की उम्मीद है।

रुपया हुआ मजबूत
आज अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में भारतीय करेंसी 82.75 पर खुली और दिन के कारोबार में 82.97 के निम्नतम स्तर को छू गई। अंत में

रुपया पिछले बंद के मुकाबले 19 पैसे बढ़कर 82.94 पर बंद हुआ। गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 83.13 पर बंद हुआ। व्यापारियों ने कहा कि प्रमुख वैश्विक बॉन्ड सूचकांक में भारत के शामिल होने से देश के डेट मार्केट में विदेशी निवेश बढ़ने के द्वार खुलेंगे। विश्लेषकों को उम्मीद है कि प्रमुख वैश्विक बॉन्ड सूचकांक में भारत के शामिल होने से 18-21 महीनों में डेट में 20-25 अरब अमेरिकी डॉलर का प्रवाह होगा। एचडीएफसी सिक्वोरिटीज के अनुसंधान विश्लेषक दिलीप परमार ने कहा बीते सप्ताह में भारतीय रुपये ने बेहतर प्रदर्शन किया और वैश्विक बॉन्ड सूचकांक में भारत के बॉन्ड को शामिल करने के बाद तीन सप्ताह की गिरावट के बाद इसमें सुधार हुआ। हालांकि प्रवाह अगले साल आएगा, लेकिन स्थानीय रुपये पर भावनात्मक प्रभाव देखा गया है। फिनरेक्स ट्रेजरी एडवाइजर्स एलएलपी के ट्रेजरी प्रमुख और कार्यकारी निदेशक अनिल कुमार भंसाली ने कहा कि सोमवार को रुपया 82.70 से 83.20 के दायरे में रहने की उम्मीद है क्योंकि बाजार यूरो जर्मन आईएफओ जलवायु सूचकांक डेटा का इंतजार कर रहा है, जो एकमात्र प्रमुख डेटा है।

डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का इस्तेमाल कर सरकार ने बचाए 27 अरब डॉलर, लाभार्थियों को सीधे मिल रहा लाभ



डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। इसके लिए सरकार नई-नई तकनीकों की भी मदद ले रही है। पिछले कुछ वर्षों में तेजी बैंक खातों की संख्या में इजाफा हुआ है। देश में आज 80 प्रतिशत लोगों के पास बैंक खाते हैं जिनकी संख्या 7 से 8 वर्ष पहले 20 प्रतिशत के आसपास थी।

नई दिल्ली। आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ ने कहा कि डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर (DPI) के जरिए भारत ने सरकारी योजनाओं में 27 अरब डॉलर बचत की है। इसके साथ ही कम समय में वित्तीय समावेशन हासिल करने में सफल हुई है।
DBT से लाभार्थियों को सीधे मिल रहा लाभ

पिछले एक दशक में डीबीटी के जरिए सही लाभार्थियों तक सरकार ने मदद पहुंचाई है। इससे बड़ी संख्या में टैक्स पेयर्स का पैसा बचत करने में मदद मिली है।
भारत में 80 प्रतिशत लोगों के पास बैंक अकाउंट
वित्तीय समावेशन के मोर्चे पर भारत ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। आज के समय में भारत के 80 प्रतिशत लोगों के पास बैंक खाते हैं, जोकि 7 से 8 साल पहले 20 प्रतिशत था। अगर पहले की स्पीड से काम किया जाता तो ये आंकड़ा अगले 47 वर्षों में हासिल होता है।

डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए नई तकनीकों का उपयोग कर रही सरकार
सरकार की ओर से डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर को बनाने के लिए नई-नई तकनीकों का उपयोग

किया जा रहा है। मिनिस्ट्री ऑफ इलेक्ट्रॉनिक एंड इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी की ओर से क्लाउड प्लेटफॉर्म एडब्ल्यूएस आदि की मदद ली जा रही है। डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए सरकार ने एडब्ल्यूएस के साथ मिलकर कोविन, डिजिलॉकर और उमंग आदि ऐप विकसित किए हैं। इससे पब्लिक के लिए सरकारी सेवाओं तक पहुंच आसान हुई है।

G20 में भी रहा वित्तीय समावेशन पर फोकस
हाल ही में दिल्ली में आयोजित हुए जी20 में सरकार की ओर से भारत में किए गए वित्तीय समावेशन के बारे में दुनिया को बताया गया। कैसे इन्वोवेशन के दम पर भारत ने डिजिटल लेनदेन में वो कीर्तिमान हासिल किया है जो कि विश्व के बड़े-बड़े देश हासिल नहीं कर पाए हैं।

परिवहन विशेष न्यूज
शेयर बाजार में निवेश करने वाले निवेशकों के लिए आने वाले कारोबारी हफ्ते में कई आईपीओ खुलेंगे। 25 सितंबर 2023 से शुरू होने वाले कारोबारी हफ्ते में Newjaisa Technologies का आईपीओ निवेशकों के लिए खुलने जा रहा है। आइए इस आर्टिकल में कंपनी के आईपीओ की मुख्य बातें जानते हैं। इसके अलावा इस हफ्ते और कौन-से आईपीओ खुल रहे हैं।

नई दिल्ली। न्यूजैसा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड अपनी आईपीओ 25 सितंबर 2023 (सोमवार) को निवेशकों के लिए खोल रहा है। कंपनी ने अपने आईपीओ का प्राइस बैंड 44 रुपये से 47 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी के शेयर स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे। कंपनी इस आईपीओ से 39.93 करोड़ जुटाने की योजना बना रही है।
कंपनी इस आईपीओ से जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल उपकरण की खरीद, निवेश, ब्रांडिंग और मार्केटिंग और कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करेगी। आइए, कंपनी के आईपीओ से जुड़े बड़ी बातें जानते हैं।
न्यूजैसा टेक्नोलॉजीज के आईपीओ की मुख्य बातें
कंपनी का आईपीओ 25 सितंबर को खुलेगा और 27 सितंबर को बंद हो जाएगा। कंपनी 8,496,000 फ्रेश शेयर जारी



करेगा। इस शेयर के जरिये कंपनी 39.93 करोड़ जुटाने का प्रयास कर रही है। इस आईपीओ का लॉट साइज 300 शेयर का है। इसका मतलब है कि किसी भी निवेशक को कम से कम 300 शेयर खरीदने होंगे।
खुदरा निवेशक को इस शेयर में बोली लगाने के लिए कम से कम 1.41 लाख रुपये की आवश्यकता होगी।
कंपनी के शेयर 4 अक्टूबर 2023 को आवंटित हो सकते हैं।
कंपनी के आईपीओ के रजिस्ट्रार बिगशेयर

सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड है।
कंपनी के शेयर को स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होने के लिए प्रस्ताव दिया गया है।
अपडेटर सर्विसेज का आईपीओ
अपडेटर सर्विसेज (Updater Services) का आईपीओ 25 सितंबर 2023 को निवेशकों के लिए खुलेगा। कंपनी ने अपने आईपीओ का प्राइस बैंड 280 रुपये से 300 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया है। इस आईपीओ में कंपनी 400 करोड़ रुपये के फ्रेश शेयर जारी करेगी। इसमें से 80 लाख शेयर

ऑफएएस में शामिल है। कंपनी के शेयर 22 सितंबर 2023 को एंकर निवेशकों के लिए ओपन हुए थे।
इंस्पायर फिल्मस का आईपीओ
इंस्पायर फिल्मस (Inspire Films) का आईपीओ 25 सितंबर को खुलेगा और 27 सितंबर को बंद हो जाएगा। कंपनी के शेयर अगले महीने 6 अक्टूबर को शेयर बाजार, के स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट हो सकते हैं। कंपनी ने आईपीओ का प्राइस बैंड 56 रुपये से 59 रुपये प्रति शेयर तय किया है।

इस सरकारी योजना में लोन पर सब्सिडी के साथ मिलता है 1200 रुपये का कैशबैक, जानें सभी डिटेल

आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत केंद्र सरकार ने पीएम स्वनिधि योजना को शुरू किया है। इस योजना में सरकार 7 प्रतिशत की सब्सिडी देती है। पीएम स्वनिधि योजना में लोन लेने वाले वेंडर्स को डिजिटल लेनदेन करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है। इसके लिए सरकार डिजिटल लेनदेन पर 1200 रुपये प्रति वर्ष तक का कैशबैक देती है।
नई दिल्ली। केंद्र सरकार की ओर से स्वरोजगार को बढ़ाने के लिए कई सारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। इन योजनाओं के जरिए सरकार की कौशिश स्वरोजगार को बढ़ावा देना है, जिससे कि स्वयं को रोजगार देने के साथ-साथ दूसरों के लिए भी अवसर पैदा कर सके। ऐसी ही एक रेहड़ी-पटरी लगाए जाने वाले के लिए केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई है। इस योजना का नाम पीएम स्वनिधि योजना है।
क्या है पीएम स्वनिधि योजना ?
आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत केंद्र सरकार ने पीएम स्वनिधि योजना को शुरू किया है। यह एक केंद्र सरकार की स्कीम है। इस योजना के तहत रेहड़ी-पटरी लगाने वालों को बिना कुछ गिरवी रखे क्रेडिट की सुविधा दी जाती है। इस योजना को कोरोना महामारी के समय जून 2020 में शुरू किया गया था।



पीएम स्वनिधि योजना
50,000 रुपये तक का मिलता है लोन
पीएम स्वनिधि योजना के तहत सरकार तीन अगल-अगल किस्तों में रेहड़ी-पटरी लगाने वालों को 10,000 रुपये से लेकर 50,000 रुपये तक का लोन वॉकिंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने के

लिए देती है। इस योजना में पहली बार में आप 10,000 रुपये तक का लोन ले सकते हैं। इसे 12 महीने की अवधि के दौरान वापस करना होता है। जैसी ही आप ही चुका देते हैं। आप दूसरी बार में 20,000 रुपये तक का और तीसरी बार में

इस तरह एक महीने में आप 100 रुपये तक का कैशबैक प्राप्त कर सकते हैं। पीएम स्वनिधि की आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक, सरकार अब तक इस योजना के तहत 69 लाख के करीब वेंडर्स को लोन जारी कर चुकी है।

सोने की कीमत में इस हफ्ते हुई गिरावट, जानिए MCX पर क्या है रेट

सोने की कीमत में इस हफ्ते गिरावट देखने को मिली है। सोने की कीमत में नरमी की वजह डॉलर की मजबूती के साथ वैश्विक कारण हैं। डॉलर इंडेक्स एक बार फिर से 105 अंक तक पहुंच गया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना 1918 डॉलर प्रति औंस पर और चांदी की कीमत 22.91 डॉलर प्रति औंस पर है।

नई दिल्ली। अमेरिकी डॉलर के छह महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंचने के कारण सोने पर दबाव बना हुआ है। इस कारण 24 कैरेट का 10 ग्राम सोना का अक्टूबर का कॉन्ट्रैक्ट एमसीएक्स पर अपने उच्चतम स्तर से फिसलकर 58,907 रुपये पर आ गया है। चांदी की कीमत 71,538 रुपये प्रति किलो पर आ गई है।
गिरा सोने का भाव
इस हफ्ते 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत में गिरावट हुई है। एमसीएक्स पर करीब तीन हफ्तों के बाद ये पहला हफ्ता है जब सोने की कीमत में गिरावट हुई है।
अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना और चांदी एक सीमित दायरे में बने हुए हैं। सोना की कीमत 1,918 डॉलर प्रति औंस पर और चांदी की कीमत 22.91 डॉलर प्रति औंस पर बनी हुई है।
किस कारण से गिरा सोने का भाव ?
सोने की कीमत में नरमी की वजह डॉलर



की मजबूती के साथ वैश्विक कारण हैं। डॉलर इंडेक्स एक बार फिर से 105 अंक तक पहुंच गया है। डॉलर में मजबूती की वजह अमेरिकी अर्थव्यवस्था में उम्मीद से ज्यादा मजबूती होनी है।
इसके अलावा माना जा रहा है अमेरिकी फेड की अगली बैठक तक सोना एक सीमित दायरे में कारोबार कर सकता है। फेड की बैठक को ब्याज दर से लिए काफी अहम माना जा रहा है। कुछ समय पहले फेड की ओर से आई कमेट्री में कहा गया था कि महंगाई के स्तर को देखते हुए एक बार फिर से ब्याज दर बढ़ने को लेकर कोई फैसला लिया जा सकता है।

